शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 199 | गुवाहाटी | बुधवार, 19 फरवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारत के 50 प्रतिशत लोग शेख हसीना के रहने से नाराज — पेज 2
बिप्लब शर्मा आयोग की रिपोर्ट ने कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार को किया उजागर — पेज 3
गुरदासपुर में पुलिस कर्मी के घर पर धमाका, बब्बर खालसा ने ली जिम्मेदारी — पेज 5
चेन्नई में 23वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप का हुआ भव्य आगाज — पेज 7

विकसित भारत के लिए चार इंजन वाला बजट : मेघवाल

गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय कानून, न्याय एवं संसदीय कार्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा है कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए केंद्रीय बजट एक रोडमैप है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2025-26 चार प्रमुख इंजन पर आधारित है-कृषि विकास, निवेश, एमएसएमई को बढ़ावा और निर्यात व औद्योगिक विकास। केंद्रीय मंत्री मेघवाल मंगलवार को राजधानी दिसपुर स्थित लोकनिर्माण विभाग कन्वेंशन हॉल में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पहला इंजन कृषि विकास है, जिसमें पूर्वोत्तर और असम के किसानों के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। दूसरा इंजन निवेश है, जो सार्वजनिक और निजी दोनों तरह के निवेश को प्रोत्साहित करेगा। सरकार रेलवे, अस्पतालों और बुनियादी ढांचे पर भारी निवेश कर रही है, जिससे रोजगार और आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी। तीसरा इंजन एमएसएमई सेक्टर को मजबूत करने के लिए है, जिसमें ऋण की सीमा बढ़ाने और नई परिभाषाएं लागू करने जैसे कदम उठाए गए हैं। चौथा इंजन निर्यात को बढ़ावा देने और औद्योगिक विकास को गति देने के लिए रखा गया है। उन्होंने कहा कि भारत इंडस्ट्री 4.0 -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने केंद्रीय गृह मंत्री से की मुलाकात, मेगा बिजनेस समिट के लिए मार्गदर्शन मांगा

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने गृह मंत्री शाह को गुवाहाटी में आयोजित दो दिवसीय मेगा बिजनेस समिट को सफल बनाने के लिए उनकी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों से अवगत कराया, जिसमें देश के भीतर और बाहर से भागीदारी और प्रमुख क्षेत्रों में निवेश आने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने आगामी कार्यक्रम के लिए केंद्रीय गृह मंत्री से मार्गदर्शन भी मांगा। शाह ने समिट को सफल बनाने के लिए डॉ. शर्मा के अथक प्रयासों की सराहना

की और आशा व्यक्त की कि यह मेगा इवेंट न केवल भारी निवेश लाएगा, बल्कि असम को भारत के विकास इंजन और निवेश के लिए आकर्षक गंतव्य के रूप में वैश्विक मानचित्र पर भी लाएगा। डॉ. शर्मा ने शाह के साथ बातचीत की और उन्हें गामोछा भेंट किया। मुलाकात 30 मिनट से अधिक समय तक चली। दो दिवसीय एडवांटेज असम 2.0 शिखर सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 फरवरी को करेंगे। बाद में, एक्स पर मुख्यमंत्री ने लिखा कि आज नई दिल्ली में, मुझे माननीय गृह मंत्री श्री @amitshah जी से #AdvantageAssam2 के लिए उनका मार्गदर्शन लेने का सम्मान मिला।

कछार में भारत-बांग्लादेश सीमा पर रात्रि कर्फ्यू लागू

कछार (हि.स.)। राज्य के कछार जिले के प्रशासन ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर रात्रि कर्फ्यू लागू कर दिया है, जिसका उद्देश्य उग्रवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाना और तस्करी को

रोकना है, मंगलवार को यह जानकारी प्रशासन द्वारा दी गई। सार्वजनिक व्यवस्था को बनाए रखने और अवैध गतिविधियों से निपटने के लिए, कछार के जिला मजिस्ट्रेट मृदुल यादव ने सीमा क्षेत्र में सख्त प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया। कानून और व्यवस्था के मुद्दों पर चिंताओं का हवाला देते हुए, बीएनएसएस की धारा 163 के तहत लागू किए गए निर्देश में उग्रवादी तत्वों की घुसपैठ और वस्तुओं और मवेशियों के -शेष पृष्ठ दो पर

कश्मीर से कन्याकुमारी तक एकाकार भारत बनेगा दुनिया का सबसे ताकतवर देश : प्रमोद बोड़ो

महाकुंभ नगर (हि.स.)। गुवाहाटी से हेलीकॉप्टर से तीर्थराज प्रयाग आए बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीआर) के मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) प्रमोद बोड़ो अपने 11 सदस्यीय टीम के साथ मंगलवार को दुनिया के सबसे बड़े महाकुंभ के साक्षी बने। उन्होंने त्रिवेणी संगम में पुण्य की डुबकी लगाकर जगकल्याण की कामना की। उन्होंने गोवर्धन मठ पुरी पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ के शिविर में आदि शंकराचार्य के चरण पादुका की पूजा-अर्चना की और शंकराचार्य से आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि धार्मिक पर्यटन सीधे दिल से जुड़ा है, इसलिए यह दिमाग तक जाता है। यह भविष्य में और बढ़ता जाएगा। महाकुंभ

को देखे या जाने बिना, कोई उसकी कल्पना भी नहीं कर सकता। उन्होंने यह बातें हिन्दुस्थान समाचार प्रतिनिधि से एक विशेष वार्ता के दौरान -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

घरेलू हिंसा अधिनियम

एससी ने असम समेत कई डिफॉल्टर राज्यों को दिया कड़ा संदेश, रिपोर्ट न देने पर जुर्माना भी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को घरेलू हिंसा कानून के क्रियान्वयन पर स्थिति रिपोर्ट दाखिल न करने के लिए कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को फटकार लगाई है और 5,000 रुपए का जुर्माना अदा करने का आदेश दिया। कोर्ट ने

इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को चार सप्ताह का समय दिया है, साथ ही चेतावनी दी कि अगर वे रिपोर्ट दाखिल नहीं करते हैं, तो अगली बार जुर्माना दोगुना हो जाएगा। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 25 मार्च को तय की है। मामले में सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने यह आदेश तब दिया जब याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद अपनी स्थिति रिपोर्ट दाखिल नहीं की। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले 2 दिसंबर 2024 -शेष पृष्ठ दो पर

महाकुंभ में कई जगह स्नान के लायक भी नहीं पानी, सीपीसीबी की रिपोर्ट से हड़कंप

नई दिल्ली। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ के दौरान विभिन्न स्थानों पर फीकल कोलीफोर्म का स्तर बढ़ गया है। कई जगहों पर जल स्नान के लायक नहीं है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने रिपोर्ट दायर कर सोमवार को

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल को यह जानकारी दी। दरअसल, सीपीसीबी के अनुसार फीकल कोलीफोर्म सीवेज प्रदूषण का संकेतक है। इसकी मात्रा 100 मिलीलीटर पानी में 2,500 यूनिट तक होनी चाहिए। प्रयागराज में गंगा और यमुना नदियों में सीवेज प्रवाह को रोकने -शेष पृष्ठ दो पर

यह महाकुंभ नहीं मृत्यु कुंभ है : ममता

कोलकाता (हि.स.)। राजद नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू यादव के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी महाकुंभ को लेकर विवादित बयान दिया है। ममता ने प्रयागराज में चल रहे हिंदुओं की आस्था के महापर्व महाकुंभ को *मृत्यु कुंभ* बताया है। उन्होंने कहा कि अब यह महाकुंभ नहीं रहा, यह मृत्यु कुंभ में बदल गया है। हाल ही में महाकुंभ के -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

गर किसी देश को भ्रष्टाचार से मुक्त होना है और खूबसूरत दिमाग वाले लोगों से भरना है तो समाज में तीन ऐसे लोग हैं, जो ऐसा कर सकते हैं। वे हैं- पिता, माता और अध्यापक।

- अब्दुल कलाम

कोलकाता में सात माह की मासूम से दुष्कर्म के दोषी को फांसी की सजा

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में सात माह की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या के प्रयास के दोषी व्यक्ति को अदालत ने फांसी की सजा सुनाई है। मंगलवार को बैंकशाल कोर्ट स्थित विशेष पोक्सो अदालत ने इस जघन्य अपराध के आरोपित

को मौत की सजा का एलान किया। अदालत ने सोमवार को ही आरोपित को दोषी करार दिया था। अदालत ने कहा कि यह अपराध *दुर्लभतम में दुर्लभ* श्रेणी का है और ऐसे मामलों में अधिकतम सजा देना ही न्यायसंगत होगी। अभियोजन पक्ष ने भी अदालत से आग्रह किया कि -शेष पृष्ठ दो पर

विस चुनाव में हार के डर से उल-जुलूल बोल रहे हैं मुख्यमंत्री : गौरव गोगोई

गुवाहाटी। अपनी ब्रिटिश पत्नी के पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी इंटर सर्विस इंटेलीजेंस (आईएसआई) से कथित संबंधों को लेकर उठे विवाद के बीच कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने मंगलवार को दावा किया कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को डर है कि

वह 2026 का विधानसभा चुनाव हार जाएंगे और उनका यही डर हालिया घटनाक्रम की मुख्य वजह है। शर्मा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गोगोई पर उनकी ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न के पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी से कथित संबंधों को लेकर हमला कर रहे हैं। गोगोई ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर एक पोस्ट में कहा कि असम की भाजपा सरकार जांच करा सकती है। हर असमिया व्यक्ति हाल के घटनाक्रम की असली वजह जानता है। कांग्रेस नेता ने मंगलवार को कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को डर है कि -शेष पृष्ठ दो पर

रणवीर इलाहाबादिया को एससी की फटकार, कहा-

इनके दिमाग में गंदगी भरी है, यूट्यूबर का पासपोर्ट जब्त करें

नई दिल्ली। यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया द्वारा समय रैना के शो इंडियाज गॉट लेटेंट में पेरेंट्स को लेकर भद्दा मजाक करने के मामले पर सुप्रीम कोर्ट मे मंगलवार को सुनवाई हुई। रणवीर इलाहाबादिया ने शो पर जो बयान दिया, उसपर कोर्ट ने नाराजगी जाहिर की। वहीं, कोर्ट ने रणवीर द्वारा किए गए कमेंट्स पर फटकार भी लगाई। कोर्ट ने कहा कि इनके दिमाग में गंदगी भरी है। ऐसे व्यक्ति का केस हम क्या सुनें। सुप्रीम कोर्ट ने दो टूक कहा है कि इनके (रणवीर इलाहाबादिया) -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

अगस्ता वेस्टलैंड घोटाले में आरोपी क्रिश्चियन मिशेल को मिली जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अगस्ता वेस्टलैंड मामले में छह साल से हिरासत में बंद ब्रिटिश नागरिक क्रिश्चियन मिशेल जेम्स को जमानत दे दी। मिशेल अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर घोटाले में कथित तौर पर बिचौलिया था। सीबीआई और ईडी 3600 करोड़ रुपए के 12 वीवीआई हेलीकॉप्टर्स -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन पर मामला चलाने की राष्ट्रपति ने दी अनुमति

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में अभियोग चलाने की अनुमति प्रदान कर दी है। सूत्रों के मुताबिक गृह मंत्रालय ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 218 के तहत सत्येंद्र जैन के -शेष पृष्ठ दो पर

अरब में यूक्रेन जंग पर रूस-अमेरिका में वार्ता

जेलेंस्की से बातचीत को तैयार हुए पुतिन

वाशिंगटन। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की के साथ बातचीत करने के लिए तैयार हैं। क्रेमलिन ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। यह घोषणा तब आई है जब अमेरिका और रूसी राजनयिक सऊदी अरब में बातचीत कर रहे हैं। इससे पहले, रूस और अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारियों ने सऊदी अरब के रियाद में दिरियाह पैलेस में मुलाकात की, जहां उन्होंने संबंधों में सुधार और यूक्रेन में युद्ध की समाप्ति पर बातचीत शुरू की। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने किया, जबकि रूसी पक्ष का नेतृत्व विदेश -शेष पृष्ठ दो पर

बजट से पहले भजनलाल सरकार का बड़ा एलान

प्रदेश में एक साथ होंगे 305 निकायों के चुनाव

जयपुर। राजस्थान में निकाय चुनाव को लेकर नया अपडेट सामने आया है। भजनलाल सरकार के दूसरे बजट से ठीक एक दिन पहले, मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने घोषणा की कि प्रदेश में सभी निकायों में एक साथ चुनाव होंगे। इससे यह

स्पष्ट हो गया है कि सरकार ने वन स्टेट वन इलेक्शन के तहत सभी निकायों में चुनाव कराने की पूरी तैयारी कर ली है। जयपुर में मंगलवार को हुए एक कार्यक्रम में यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने घोषणा की कि राजस्थान के सभी शहरी निकायों में एक साथ चुनाव कराए जाएंगे। प्रदेश के सभी 305 निकायों में इसी साल नवंबर में चुनाव होने की संभावना है। सरकार *एक राज्य-एक चुनाव* की नीति के तहत आगे बढ़ रही है। फिलहाल, प्रदेश के 305 निकायों में परिसीमन और पुनर्गठन की प्रक्रिया जारी है, जो 15 मई तक पूरी की जाएगी। राजस्थान में नगरीय निकायों की संरचना में 13 नगर निगम, 52 नगर परिषद, और 240 नगर पालिकाएं शामिल हैं। इस वर्ष नवंबर से फरवरी 2026 तक इनका कार्यकाल पूरा हो जाएगा। वर्तमान में 100 से ज्यादा निकायों में प्रशासक नियुक्त किए जा चुके हैं। दिसंबर में 50 और अगले साल जनवरी में 90 निकायों का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा, जबकि 140 नगरीय निकायों के बोर्ड दिसंबर और जनवरी में खत्म होंगे। इसके अलावा, -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

असम और अरुणाचल के दौरे पर 21 को गुवाहाटी आएंगे भागवत

गुवाहाटी (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत 21 फरवरी को असम और अरुणाचल प्रदेश के दौरे पर गुवाहाटी पहुंचेंगे। संघ सूत्रों के अनुसार डॉ. भागवत 21 फरवरी की शाम को गुवाहाटी पहुंचेंगे। संघ प्रमुख डॉ. भागवत 21 से 27 फरवरी तक असम में रहेंगे। वे 27 फरवरी को गुवाहाटी से अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर के लिए रवाना होंगे।

सर्वे में खुलासा

भारत के 50 प्रतिशत लोग शेख हसीना के रहने से नाराज

नई दिल्ली। हाल ही में भारत में हुआ एक सर्वेक्षण यह दर्शाता है कि भारत के अधिकांश लोग बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बारे में नकारात्मक सोच रखते हैं और चाहते हैं कि वह भारत छोड़कर चली जाएं। *मूड ऑफ द नेशन* सर्वे में यह तथ्य सामने आया है कि 50.2 प्रतिशत भारतीयों का मानना है कि शेख हसीना को भारत छोड़ देना चाहिए। वहीं, 21.1 प्रतिशत लोगों का कहना है कि हसीना को बांग्लादेश वापस भेज दिया जाए, और 29.1 प्रतिशत लोग चाहते हैं कि उन्हें किसी तीसरे देश में स्थानांतरित किया जाए। सर्वे के मुताबिक, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में हसीना के प्रति नाराजगी ज्यादा देखी जा रही है। इन राज्यों के नागरिकों का कहना है कि बांग्लादेश के साथ उनकी सीमा साझा होने की वजह से हसीना के कारण उत्पन्न उथलपुथल का उन पर सीधा असर पड़ा है। इन राज्यों में 55त्न लोग चाहते हैं कि शेख हसीना को वापस बांग्लादेश भेजा जाए। इन क्षेत्रों में हसीना के खिलाफ काफी आक्रोश है, क्योंकि यहां की जनता बांग्लादेश की राजनीतिक घटनाओं से गहरे प्रभावित महसूस करती है। इसके अलावा 16 प्रतिशत लोग चाहते हैं कि हसीना को किसी तीसरे देश में भेज दिया जाए ताकि भारत और बांग्लादेश के रिश्ते अच्छे बने रहें और हसीना को कानूनी कार्रवाई से भी बचाया जा सके। हालांकि 23 प्रतिशत लोग मानते हैं कि हसीना को भारत में शरण दी जानी चाहिए क्योंकि उनके साथ पुराने अच्छे रिश्ते रहे हैं।

यह सर्वे 2024 के जुलाई में हुए बांग्लादेश के विद्रोह के बाद हुआ था, जब शेख हसीना भारत में शरण लेने आई थीं। 5 अगस्त 2024 को हसीना अपनी बहन रेहाना के साथ भारत पहुंचीं, जब बांग्लादेश में छात्रों ने उनके शासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। भारत में शरण लेने के बाद से हसीना के खिलाफ भारतीय नागरिकों के बीच प्रतिक्रिया मिश्रित रही है। सर्वे में 37.6 प्रतिशत लोग मानते हैं कि शेख हसीना भारत की पक्की दोस्त रही हैं, इसलिए उन्हें भारत में शरण मिलनी चाहिए। वहीं, 33 प्रतिशत लोग यह मानते हैं कि भारत ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए हिंसक हमलों के खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया नहीं दी, इसलिए हसीना को लेकर भारत को सक्रिय कदम उठाने चाहिए। बांग्लादेश में शेख हसीना के खिलाफ 100 से ज्यादा मुकदमे दर्ज किए गए हैं, जिनमें हत्या, सामूहिक हत्या और मानवता के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। इसके बावजूद हसीना ने भारत में शरण ली है, जबकि बांग्लादेश सरकार ने 23 दिसंबर 2024 को भारत से औपचारिक रूप से शेख हसीना को वापस भेजने का अनुरोध किया था। इस मुद्दे पर भारत ने अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ रहा है। यह सर्वेक्षण इस बात को भी उजागर करता है कि बांग्लादेश और भारत के रिश्तों में एक नया विवाद उत्पन्न हो सकता है, क्योंकि शेख हसीना की वापसी पर दोनों देशों के बीच राय में अंतर है।

पूसीरे ने सेवक-रंगपो रेल परियोजना की एक और सफलता हासिल की

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड के सहयोग से चल रही सेवक-रंगपो रेल परियोजना में एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन हासिल किया। यह ऐतिहासिक बुनियादी संरचना पहल पश्चिम बंगाल और सिक्किम के बीच संपर्क बढ़ाने, आर्थिक विकास और क्षेत्रीय एकीकरण को बढ़ावा देने को अग्रसर है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज एक बयान में बताया है कि हाल ही में, इस परियोजना ने पुल संख्या 6 के लिए दो 69 मीटर लंबे ओपेन वेब गर्डरों की सफल लॉंचिंग कर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इन गर्डरों का कुल वजन 810 मीट्रिक टन (लॉंचिंग नोज वजन को छोड़कर) है, जिसे उन्नत लॉंचिंग नोज विधि का उपयोग करके 40 मीटर की ऊंचाई पर लांच किया गया। यह विधि कठिन भूभाग पर चुनौतीपूर्ण पुल संरचनाओं के निर्माण में सटीकता और दक्षता सुनिश्चित करती है। अब तक, इस परियोजना के लिए नियोजित 13 पुलों में से 7 का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है, जबकि शेष 6 पुलों का कार्य निरंतर प्रगति पर है। पूसीरे के दिशानिर्देश में इरकॉन के अथक प्रयास इस परियोजना को दक्षता और उत्कृष्टता के साथ पूर्ण करने की दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं। सेवक (पश्चिम बंगाल) और रंगपो (सिक्किम) को जोड़ने वाली सेवक-रंगपो नई रेल लिंक परियोजना लगभग 44.96 किलोमीटर लंबी है और इसमें 14 टनल, 13 बड़े पुल, 09 छोटे पुल और 5 स्टेशन हैं।

NoDPRD/BTC/(6th ASFC)-362/2025/23, *Dated Kokrajhar the 18th Feb., 2025*

NOTICE INVITING TENDER
TENDER NO. 01 OF 2024-25

Sealed tenders with a validity period of 180 (one hundred eighty) days from the date of receipt in prescribed from affixing non-refundable court fee stamps of Rs. 8.25 (Rupees eight and paisa twenty five) only subsequently to be drawn up in printed F-2 form are hereby invited from the Govt. registered **PWD Roads and for Sl. No. 2 PWD Buildings** Govt. Contractor's under Class-I (A, B, C), Class-II and Class-III category from approved firm/ suppliers of 2020-21/2021-22 according to tender limit of eligibility for the following works and will be received in the office of the undersigned up to 2.00 pm on 17-03-2025 and will be opened on the same date and place at 2.15 pm in the presence of willing contractors or their authorized agents.

Sl. No.	Name of Dev. Block	Name of Scheme	A.A Amount (Rs.)	Earnest Money	Cost of Tender in Rs.	Time for completion in days	Pre-Bid meeting date & time
01	Dotma	Const. of RCC box culvert at Radab house Jampwi at Oxiguri village Gossainichina VCDC	15,20,000/-	(ST, SC, OBC-1 % & Gen-2%)	456/-	2 months	2.00 pm on 21-02-2024
02	Debitola	Const. of Community Toilet cum CC Block road at Debitola Dev. Block office Campus	19,00,000/-	(ST, SC, OBC-1 % & Gen-2%)	570/-	6 months	2.00 pm on 21-02-2024
03	Kokrajhar	Const. of Fundation stone for brics centre at Patgaon, Kokrajhar	11,64,436/-	(ST, SC, OBC-1 % & Gen-2%)	349/-	3 months	2.00 pm on 21-02-2024
04	Kokrajhar	Earth filling in South Khargaon Garjasali under Haloadal VCDC	10,00,000/-	(ST, SC, OBC-1 % & Gen-2%)	300/-	2 months	2.00 pm on 21-02-2024
05	Kokrajhar	Earth filling in South Khargaon village Hambai Sali under Haloadal VCDC	12,00,000/-	(ST, SC, OBC-1 % & Gen-2%)	360/-	2 months	2.00 pm on 21-02-2024
06	Kokrajhar	Const. of ICBP road in South Khargaon village under Haloadal VCDC	5,00,000/-	(ST, SC, OBC-1 % & Gen-2%)	150/-	2 months	2.00 pm on 21-02-2024
07	Chapar-Salkocha	Imp. of canel and Bund repairing from Bashbari to Deeplai Paddy field	19,00,000/-	(ST, SC, OBC-1 % & Gen-2%)	570/-	2 months	2.00 pm on 21-02-2024

Details NIT may be seen in all working days in the office of the undersigned. Tender paper will be issued to the contractors or their authorized agent up to 12.00 Noon on all working days from 20-02-2025 to 17-03-2025 in the office of the undersigned on payment of in the form of Banker cheque/ Demand draft of any nationalized Bank (Preferable SBI) duly pledged to the **Director, P&RD, BTC, Kokrajhar**.

Sd/-Director,
Panchayat & Rural Development,
BTC, Kokrajhar

IPR(BTC)-2023-24/1509

पृष्ठ एक का शेष

विकसित भारत के ...

के दौर में प्रवेश कर चुका है, जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, थ्रीडी प्रिंटिंग और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी तकनीकों को बजट में विशेष रूप से स्थान दिया गया है। असम के विकास पर जोर देते हुए उन्होंने बताया कि राज्य को बजट में पहले की तुलना में अधिक वित्तीय आवंटन मिला है। अमृत भारत योजना के तहत 60 रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बनाया जा रहा है, जबकि उड़ान योजना के तहत हवाई संपर्क में सुधार किया जाएगा। महंगाई के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि सरकार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) और खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में सफल रही है। कोविड और रूस-यूक्रेन युद्ध के बावजूद महंगाई को काबू में रखा गया है। उन्होंने विपक्ष की आलोचनाओं को खारिज करते हुए कहा कि सरकार कृषि, एमएसएमई और मध्यवर्ग को कर राहत देकर व्यापक आर्थिक सुधार लागू कर रही है। इस मौके पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया, असम सरकार के मंत्री चंद्रमोहन पटवारी, अजंता नेओग आदि भी मौजूद रहे।

कश्मीर से कन्याकुमारी ...

कही। असम के बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीआर) के मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) प्रमोद बोड़ो ने हिन्दुस्थान समाचार से कहा कि दुनिया के सबसे बड़े समागम को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिव्य और नव्य महाकुंभ की संकल्पना को साकार कर दिखाया है, जिसे लेकर उत्तर भारत से दक्षिण भारत तक के लोगों का उत्साह चरम पर है। इतने बड़े महाकुंभ में वसुधैव कुटुम्बकम् की झलक देखकर वे अभिभूत थे और यह कहने से खुद को रोक नहीं पाए कि ये महाकुंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के विजन का साकार स्वरूप है। प्रमोद बोड़ो ने कहा कि वे पहली बार महाकुंभ आए हैं। बहुत सालों से इच्छा थी महाकुंभ आने की। यहां की व्यवस्था बहुत अच्छी है। इसके लिए मुख्यमंत्री योगीजी को बहुत-बहुत धन्यवाद है और बधाई है। भारत का ये सबसे बड़ा कुंभ ऐतिहासिक है। अभी तक मैं इतना विशाल महाकुंभ कभी नहीं देखा था। तीर्थराज प्रयाग पवित्र स्थान है। उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब आने वाले समय में हिन्दू एकता से कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत एकाकार होगा तब भारत दुनिया का सबसे ताकतवर देश कहलाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए हम सब मिल-जुलकर काम करेंगे। उन्होंने बताया कि वर्ष 2020 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में असम में एक समझौता हुआ था। उसके बाद बोड़ोलैंड में जितने भी हथियार लेने वाले लोग थे। वे मुख्यधारा में आ गए हैं। वहां सरकार बनने के बाद सात साल में बोड़ोलैंड की तस्वीर पूरी तरह से बदल चुकी है। अर्थव्यवस्था भी सुधर रही है। शांति व्यवस्था भी कायम है। भाईचारे को बढ़ावा मिला है। शिक्षा भी बहुत अच्छी हो गई है। अग्निवीर से लेकर तमाम सरकारी भर्तियां हो रही है। एग्रीकल्चर में प्रोडक्शन बढ़ रही है। पहले लोग मन लगाकर काम नहीं कर पाते थे। खून-खराबा वाली स्थिति थी, जो अब नहीं है। अब माहौल बिल्कुल शांत है। इकोनामी डेवलपमेंट भी बहुत अच्छे से हो रहा है। एक सवाल पर उन्होंने कहा कि असम के काफी जिले में घुसपैठ की स्थिति है। इसके लिए केंद्र व राज्य सरकार मिलकर विचार कर रही है। पूर्वोत्तर में कहीं-कहीं है, लेकिन असम में बहुत ज्यादा है। संगम में डुबकी लगाने के बाद बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल के मुखिया प्रमोद बोड़ो शंकराचार्य शिविर हर्षवर्धन मार्ग सेक्टर 18 महाकुंभ नगर प्रयागराज में गोवर्धनपीठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ से मिलकर आशीर्वाद लिया। साथ ही उन्होंने महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं को मां कामाख्या के दर्शन के लिए असम आने का न्यौता भी दिया।

जेलेंस्की से बातचीत...

मंत्री सर्गेई लावरोव ने किया। लावरोव और तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने लगभग दो साल पहले भारत में जी-20 बैठक के मौके पर संक्षिप्त बातचीत की थी, और 2022 के अंत में, अमेरिका और रूसी जासूसों ने वाशिंगटन की चिंताओं के बीच तुर्किये में मुलाकात की थी कि मॉस्को युद्ध के मैदान में असफलताओं के बीच परमाणु हथियारों का सहारा ले सकता है। युद्ध पर हालिया अमेरिकी कूटनीतिक हमले ने कीव और प्रमुख सहयोगियों को इस चिंता के बीच मेज पर एक सीट सुनिश्चित करने के लिए संघर्ष करने के लिए मजबूर कर दिया है कि वाशिंगटन और मॉस्को एक ऐसे समझौते पर आगे बढ़ सकते हैं जो उनके लिए अनुकूल नहीं होगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने जर्मन मीडिया से कहा कि यूक्रेन की भागीदारी के बिना किए गए किसी भी समझौते को अस्वीकार कर दिया जाएगा। नाटो महासचिव मार्क रुटे ने कहा कि यूरोप यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी प्रदान करने के लिए तैयार और आगे बढ़ने को तैयार है।

कछार में भारत-बांग्लादेश ...

अनधिकृत परिवहन को रोकने का प्रयास किया गया है। निवारक उपायों की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए, जिला मजिस्ट्रेट ने क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया। आदेश के अनुसार, सूर्यास्त से सूर्योदय तक सीमा के साथ एक किलोमीटर की सीमा के भीतर रात के समय आवाजाही सख्त वर्जित है। यह प्रतिबंध अगले आदेश तक या दो महीने तक प्रभावी रहेगा। यह अवैध सीमा पार गतिविधियों को रोकने लिए लागू किया गया है। इसके अतिरिक्त, कछार के भारतीय क्षेत्र में सूरमा नदी और उसके तटबंधों पर रात के समय सभी तरह की आवाजाही पर प्रतिबंध रहेगा। मछली पकड़ना भी प्रतिबंधित रहेगा, सिवाय स्थानीय निवासियों के, जो पट्टेदार के प्राधिकरण के साथ काटिगोरा के सर्कल अधिकारी से पूर्व अनुमोदन प्राप्त कर चुके हैं। आवश्यक वस्तुओं के अनधिकृत परिवहन से निपटने के लिए, आदेश के अनुसार सूर्यास्त से सूर्योदय तक सीमा के साथ पांच किलोमीटर के दायरे में किसी भी तरह से – वाहन, गाड़ी या रिक्शा – चीनी, चावल, गेहूं, खाद्य तेल और नमक की आवाजाही पर रोक रहेगा। हालांकि, काटिगोरा सर्कल अधिकारी द्वारा मंजूरी प्राप्त करने के बाद विशेष परमिट जारी किए जा सकते हैं। ड्यूटी पर मौजूद राज्य और केंद्र सरकार के कर्मचारियों को इन प्रतिबंधों से छूट दी गई है।

विस चुनाव में हार ...

वह अपना पद खो देंगे और 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद उन्हें राज्य के लोगों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हिमंत विश्व शर्मा को डर है कि वह अपनी कुर्सी खो देंगे और 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद उन्हें असम के लोगों के कोप का भाजन बनना पड़ेगा। असम पुलिस ने असम और भारत के आंतरिक मामलों के संबंध में सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणियों के लिए पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख के खिलाफ मामले की जांच के लिए सोमवार को एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। शर्मा ने आरोप लगाया था कि गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ गोगोई ने पाकिस्तान में शेख के साथ काम किया था। असम मंत्रिमंडल ने रविवार को सांसद या उनकी ब्रिटिश पत्नी के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं करने का फैसला किया, लेकिन पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को पाकिस्तानी नागरिक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया। राज्य सरकार ने यह भी घोषणा की कि वह पूर्ववर्ती कालियाबोर निर्वाचन क्षेत्र में लोकसभा चुनाव प्रचार में ब्रिटिश नागरिक होने के बावजूद कोलबर्न की भागीदारी की जांच के लिए केंद्र को पत्र लिखेगी। कालियाबोर संसदीय सीट से दो बार कांग्रेस सांसद ने जीत दर्ज की है। शेख पाकिस्तान योजना आयोग के सलाहकार और कोलबर्न के पूर्व सहयोगी रहे हैं। उन पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। सांसद ने सोमवार को प्रेस वार्ता में दावा किया कि शर्मा हर दिन अपना रुख बदल रहे हैं। गोगोई ने दावा किया कि इससे पहले, मुख्यमंत्री ने मुझ पर हमला किया था और मैं खलनायक था। लेकिन कल से उन्होंने मुझे पीड़ित बना दिया है।

एससी ने असम समेत ...

को आदेश दिया था कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस कानून के कार्यान्वयन पर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करनी चाहिए। 17 जनवरी को कोर्ट ने रिपोर्ट दाखिल करने की समय सीमा 14 फरवरी तक बढ़ा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि घरेलू हिंसा से महिलाओं के संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों का सही तरीके से पालन और कार्यान्वयन केवल केंद्र का नहीं, बल्कि संबंधित राज्य सरकारों का भी कर्तव्य है। इसके अलावा, याचिका में महिलाओं के लिए सुरक्षा अधिकारियों, सेवा प्रदाताओं और आश्रय गृहों की पर्याप्त नियुक्ति की मांग की गई है, ताकि इस कानून का सही तरीके से पालन हो सके। कोर्ट ने कहा कि आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय, ओडिशा, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और असम इन डिफॉल्टर राज्यों में शामिल हैं। साथ ही दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और लक्षद्वीप जैसे केंद्र शासित प्रदेशों ने भी अपनी रिपोर्ट नहीं दी है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि अगर आप रिपोर्ट नहीं दाखिल करते हैं, तो जुर्माना अगली बार दोगुना कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि यह मामला 2005 के घरेलू हिंसा से महिलाओं के संरक्षण अधिनियम के क्रियान्वयन को लेकर है, और सुप्रीम कोर्ट ने दिसंबर 2024 में आदेश दिया था कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस कानून के कार्यान्वयन पर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करनी चाहिए।

महाकुंभ में कई ...

के मुद्दे पर सुनवाई कर रही एनजीटी अध्यक्ष जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव, न्यायिक सदस्य जस्टिस सुधीर अग्रवाल और विशेषज्ञ सदस्य ए. सेंथिल वेल की पीठ ने कहा कि सीपीसीबी ने रिपोर्ट दायर की थी, जिसमें कुछ उल्लंघनों की ओर इशारा किया गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि निगरानी वाले स्थानों पर फीकल कोलीफोर्म (एफसी) के संबंध में नदी के जल की गुणवत्ता स्नान के लायक नहीं थी। महाकुंभ मेले के दौरान, बड़ी संख्या में लोग प्रयागराज में गंगा नदी में स्नान करते हैं, जिससे फीकल कोलीफोर्म की मात्रा में वृद्धि हुई है। पीठ ने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) ने व्यापक कार्रवाई रिपोर्ट दाखिल करने के ट्रिब्यूनल के पहले के निर्देश का पालन नहीं किया है। ट्रिब्यूनल ने पाया कि यूपीपीसीबी ने केवल कुछ जल परीक्षण रिपोर्टों के साथ एक कवरिंग लेटर दाखिल किया था। केंद्रीय प्रयोगशाला, यूपीपीसीबी के प्रभारी द्वारा भेजे गए 28 जनवरी, 2025 के कवरिंग लेटर के साथ संलग्न दस्तावेज की समीक्षा करने पर भी पता चलता है कि विभिन्न स्थानों पर फीकल कोलीफोर्म के उच्च स्तर पाए गए हैं। ट्रिब्यूनल ने उत्तर प्रदेश राज्य के वकील को रिपोर्ट की जांच करने और जवाब दाखिल करने के लिए एक दिन का समय दिया। पीठ ने यूपीपीसीबी के सदस्य सचिव और प्रयागराज में गंगा नदी में पानी की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए जिम्मेदार संबंधित राज्य प्राधिकरण को 19 फरवरी को होने वाली अगली सुनवाई में वर्चुअली पेश होने का निर्देश दिया।

यह महाकुंभ नहीं ...

दौरान हुई भगदड़ की घटनाओं का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि इस धार्मिक आयोजन में भारी अव्यवस्थाओं के कारण कई लोगों की जान जा चुकी है, जो बेहद दुखद और चिंताजनक है। मुख्यमंत्री ने आज विधानसभा में महाकुंभ में सुरक्षा इंतजामों को लेकर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को पहले से ही पुख्ता व्यवस्था करनी चाहिए थी, ताकि श्रद्धालुओं की जान न जाती और आयोजन शांति के साथ संपन्न होता। उन्होंने आरोप लगाया कि महाकुंभ में वीआईपी व्यक्तियों को विशेष सुविधाएं दी जा रही हैं, जबकि आम श्रद्धालुओं को तमाम कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जान जाने की घटनाएं सरकार की लापरवाही को दर्शाती हैं। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार इस तरह की त्रासदियों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए और भविष्य में ऐसे हादसे न हों, यह सुनिश्चित करे।

कोलकाता में सात ...

अपराध की गंभीरता को देखते हुए दोषी को मृत्युदंड दिया जाए। यह मामला कोलकाता के बड़तल्ला इलाके का है, जहां सात माह की मासूम बच्ची को आरोपित ने अगवा कर इस घिनौनी वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपी राजीव घोष को गिरफ्तार कर पांच दिसंबर को अदालत पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया। इस तरह से अदालत ने महज 75 दिनों के भीतर इस मामले की सुनवाई पूरी कर सजा का एलान कर दिया। अदालत ने दोषी राजीव घोष को भारतीय न्याय संहिता की धारा 65 (2), 140 (4), 137 (2) और 118, साथ ही पोक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत दोषी करार दिया। इनमें से पहली और अंतिम धारा के तहत अधिकतम सजा फांसी निर्धारित है। यह दिल दहला देने वाली घटना 30 नवंबर-24 को घटी थी। इसके बाद आरोपित राजीव घोष फरार हो गया था। पुलिस ने उसे पांच दिसंबर को झाड़ग्राम जिले के गोपीबल्लवपुर इलाके से गिरफ्तार किया। पुलिस ने 30 दिसंबर को पहली चार्जशीट दाखिल की और उसके कुछ ही दिनों बाद पूरक चार्जशीट भी प्रस्तुत कर दी। मामले में विशेष लोक अभियोजक बिभास चटर्जी ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि पीड़िता का अब भी कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में इलाज चल रहा है। सात जनवरी से शुरू हुई सुनवाई केवल 40 दिनों में पूरी कर ली गई, जिससे पीड़िता को शीघ्र न्याय मिल सका। छह महीने में पश्चिम बंगाल में सातवीं फांसी की सजायह पश्चिम बंगाल में पिछले छह महीनों के भीतर अदालत द्वारा सुनाई गई सातवीं मौत की सजा है। वहीं पोक्सो कानून के तहत यौन अपराध के मामले में यह छठा मृत्युदंड है।

प्रदेश में एक साथ ...

कई नए निकाय बनाए गए हैं जहां पहली बार चुनाव होंगे। ऐसे में सरकार ने नवंबर में सभी निकायों में एक साथ चुनाव कराने की योजना तैयार कर ली है। राजस्थान में पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव से पहले ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद का पुनर्गठन किया जाएगा। पहले इस पुनर्गठन के लिए आपत्तियों और अन्य प्रक्रियाओं की तिथि 18 फरवरी तय की गई थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 25 अप्रैल कर दिया गया है। इसके बाद सरकार पंचायतीराज के चुनाव कराएगी।

इनके दिमाग में गंदगी...

दिमाग में गंदगी भरी है। ऐसे व्यक्ति का केस हम क्यों सुनें। पॉपुलर होने का मतलब ये नहीं कि आप कुछ भी टिप्पणी करें। आप, लोगों के माता-पिता की बेइज्जती कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि आपके दिमाग में कुछ गंदगी है। अदालत ने आगे कहा कि जिस विकृत मानसिकता का प्रदर्शन किया गया है, उससे पूरा समाज शर्मिंदा होगा। कोर्ट ने रणवीर को आदेश दिया है कि वो बिना इजाजत लिए देश से बाहर नहीं जा सकते हैं। यूट्यूबर को उनका पासपोर्ट पुलिस थाने में जमा करने को कहा गया है। हालांकि, कोर्ट ने उनके खिलाफ दर्ज कई एफआईआर के संबंध में गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा प्रदान की है। वहीं, कोर्ट ने एफआईआर को एक साथ जोड़ने की उनकी याचिका पर नोटिस भी जारी किया और महाराष्ट्र, असम और जयपुर में दर्ज एफआईआर पर गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी। कोर्ट ने रणवीर इलाहबादिया को जांच में सहयोग करने का आदेश दिया। अदालत ने कहा कि जांच में शामिल होने में बाधा डालने वाले किसी भी खतरे के मामले में उन्हें जीवन और स्वतंत्रता की सुरक्षा के लिए महाराष्ट्र और असम की स्थानीय पुलिस से संपर्क करने की स्वतंत्रता होगी। बता दें कि स्टैंडअप कॉमेडियन समय रैना के शो *इंडियाज गॉट लेटेंट* में रणवीर इलाहाबादिया बतौर गेस्ट जज शामिल हुए थे। इस एपिसोड में उन्होंने कंटेस्टेंट से उसके पेरेंट्स की सेक्स लाइफ पर विवादित सवाल पूछे थे। रणवीर के इस सवाल के क्लिप सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ। वायरल वीडियो पर लोगों को गुस्सा फूट पड़ा। असम से लेकर जयपुर तक रणवीर इलाहबादिया पर मामले दर्ज किए जा चुके हैं।

अगस्ता वेस्टलैंड घोटाले ...

की खरीद में उसकी भूमिका की जांच कर रही हैं। उसे दुबई से प्रत्यर्पित किए जाने के बाद दिसंबर 2018 में हिरासत में लिया गया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि जेम्स पिछले छह साल से हिरासत में है, जबकि मामले की जांच अभी भी जारी है। शीर्ष अदालत ने कहा कि जेम्स को निचली अदालत द्वारा तय शर्तों के अधीन जमानत पर रिहा किया जाएगा। जेम्स ने मामले में जमानत देने से इनकार करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया था। अगस्ता वेस्टलैंड घोटाले के संबंध में सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय ने दो अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। गौरतलब है कि 3,600 करोड़ रुपए का यह कथित घोटाला अगस्ता वेस्टलैंड से 12 वीवीआईपी हेलीकॉप्टरों की खरीद से संबंधित है। क्रिश्चियन मिशेल जेम्स ब्रिटेन का निवासी है। उसे दिसंबर 2018 में दुबई से प्रत्यर्पित किया गया था। मिशेल जेम्स की जमानत याचिका 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी थी। उसने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में कहा था कि उसे इस आधार पर जमानत पर रिहा किया जाए कि वह मामलों में आधी सजा काट चुका है। इसके बाद 2024 में उसने दोबारा सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इनकार कर दिया था। इसके बाद दिसंबर 2024 में मिशेल की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई से जवाब मांगा था। 12 जनवरी को दिल्ली की एक अदालत ने एम्स को अगस्ता वेस्टलैंड मामले में जेल में बंद ब्रिटिश नागरिक क्रिश्चियन मिशेल जेम्स के लिए हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी की व्यवस्था करने का निर्देश दिया था। विशेष न्यायाधीश संजीव अग्रवाल ने मिशेल की याचिका पर यह आदेश दिया। याचिका में मिशेल ने दावा किया गया था कि उनकी टोटल हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी को टाला नहीं जा सकता था क्योंकि वह दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों में अत्यधिक दर्द से पीड़ित हैं। 2018 में ब्रिटेन से प्रत्यर्पित किए गए मिशेल ने दावा किया कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के डॉक्टरों ने सर्जरी की सलाह दी है।

पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन...

खिलाफ कार्रवाई करने की राष्ट्रपति से अनुमति मांगी थी। हवाला मामले में 2022 में सत्येंद्र के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने जांच शुरू की थी। ईडी ने दावा किया था कि उसके पास सत्येंद्र जैन के खिलाफ अभियोजन चलाने के पर्याप्त सबूत हैं। अगस्त 2017 में जैन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। सत्येंद्र जैन के खिलाफ ईडी की जांच एक मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़ी हुई है। यह मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13 (2) (लोक सेवक द्वारा आपराधिक कदाचार) के साथ धारा 13 (ई) (आय से अधिक संपत्ति) के तहत दर्ज की गई थी। ईडी की चार्जशीट के अनुसार सत्येंद्र जैन पर आरोप है कि उन्होंने अपने सह-अभियुक्तों के साथ मिलकर आय से अधिक संपत्ति अर्जित की और इसे छिपाने के लिए मनी लॉन्ड्रिंग की गतिविधियों में शामिल हुए।

नए सीईसी की नियुक्ति के *आधी रात के फैसले* पर राहुल ने केंद्र पर बोला हमला

नई दिल्ली। देश के नए मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जब मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा रही है, तब आधी रात को नए मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन का फैसला लेना प्रधानमंत्री, गृहमंत्री के लिए अपमानजनक और अशिष्ट है। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पत्र साझा करते हुए पोस्ट में लिखा कि अगले मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन करने के लिए हुई समिति की बैठक के दौरान मैंने प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को एक असहमति नोट प्रस्तुत किया था। इसमें कहा गया था कि कार्यपालिका के हस्तक्षेप से मुक्त एक स्वतंत्र चुनाव आयोग का सबसे बुनियादी पहलू चुनाव आयुक्त और मुख्य चुनाव आयुक्त को चुनने की प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करके और भारत के मुख्य न्यायाधीश को समिति से हटाकर मोदी सरकार ने चुनावी प्रक्रिया की ईमानदारी को लेकर करोड़ों मतदाताओं की चिंताओं को बढ़ा दिया है। विपक्ष के नेता के रूप में यह मेरा कर्तव्य है कि मैं बाबासाहब आंबेडकर और हमारे राष्ट्र निर्माताओं के आदर्शों को कायम रखूं और सरकार को जवाबदेह ठहराऊं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री द्वारा नए मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन का आधी रात को निर्णय लेना अपमानजनक और अशिष्टतापूर्ण है। जबकि समिति की संरचना और प्रक्रिया को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी जा रही है। इस पर 48 घंटे से भी कम समय में सुनवाई होनी है। राहुल गांधी ने अपने असहमति नोट में लिखा कि जून 1949 में एक स्वतंत्र चुनाव आयोग की स्थापना पर चर्चा के लिए संविधान सभा में बोलते हुए डॉ. बाबा साहब आंबेडकर ने भारत के लोकतंत्र और चुनाव आयोग के मामलों में कार्यपालिका के हस्तक्षेप के बारे में चेतावनी दी थी। कार्यपालिका के हस्तक्षेप से मुक्त स्वतंत्र चुनाव आयोग का सबसे बुनियादी पहलू चुनाव आयुक्तों और मुख्य चुनाव आयुक्त को चुनने की प्रक्रिया है। दो मार्च 2023 को एक फैसले में सर्वोच्च न्यायालय की सांविधानिक पीठ ने आदेश दिया कि मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और मुख्य न्यायाधीश की एक समिति द्वारा की जानी चाहिए।

बिप्लब शर्मा आयोग की रिपोर्ट ने कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार को किया उजागर

गुवाहाटी (हिंस)। असम लोकसेवा आयोग में नियुक्तियों को लेकर न्यायाधीश बिप्लब कुमार शर्मा की रिपोर्ट ने तत्कालीन मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के दौरान हुए व्यापक भ्रष्टाचार को उजागर कर दिया है। उस समय सरकारी नौकरियों की खरीद-बिक्री की पुष्टि हुई है, जिससे एक पूरी पीढ़ी का भविष्य अंधकारमय हो गया। यह बयान भारतीय जनता पार्टी, असम प्रदेश के अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने मंगलवार को राजधानी के वशिष्ठ स्थित प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान दिया। सैकिया ने कहा कि रिपोर्ट में तरुण गोगोई और उनके पुत्र गौरव गोगोई से संबंधित गंभीर खुलासे कांग्रेस और भ्रष्टाचार की गहरी साठगांठ को साबित करते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस यानी भ्रष्टाचार, और भ्रष्टाचार यानी कांग्रेस। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई को भ्रष्टाचार का किंगपिन बताते हुए कहा कि कांग्रेस को इस घोटाले का जवाब देना होगा। उन्होंने कांग्रेस से मांग की कि वह श्वेतपत्र जारी कर असम की जनता को स्थिति स्पष्ट करे। सैकिया ने यह भी कहा कि इस घोटाले में शामिल सभी लोगों को सख्त सजा मिलनी चाहिए और सरकार को जल्द से जल्द कार्रवाई करनी चाहिए। संवाददाता सम्मेलन में भाजपा के वरिष्ठ नेता पल्लव लोचन दास, दिप्लू रंजन शर्मा, पुलक गोस्वामी, मुख्य प्रवक्ता मनोज बरुवा और मीडिया प्रभारी देवान ध्रुवज्योति मरल भी मौजूद रहे।

बीटीआर कांग्रेस ऑब्जर्वर कमेटी की बैठक उदालगुड़ी में आयोजित

उदालगुरी (हिंस)। *बीटीआर ऑब्जर्वर्स कमेटी (बीसीओसी)* की एक महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को उदालगुड़ी जिले में आयोजित हुई। बैठक में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के महासचिव गर्जन मुशाहारी, बीसीओसी सदस्य, कलीलुर रहमान, कंदर्प कलिता, उदालगुड़ी जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) प्रभारी प्रेमलाल गुंजू, उदालगुड़ी डीसीसी अध्यक्ष सहित जिला बीसीसी और मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे। बैठक में दो बीसीओसी जिला समन्वयकों की नियुक्ति की घोषणा की गई। साथ ही, यह निर्णय लिया गया कि बीटीआर की सभी 10 बीटीसीएलए सीटों पर पार्टी पूरी मजबूती के साथ परिषद की बैठकों में भाग लेगी। बैठक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जोश और ऊर्जा का माहौल देखने को मिला, जिसका श्रेय असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा को दिया गया।

गुवाहाटी में पुलिस की कार्रवाई, एक लड़की को बचाया दो मोबाइल चोर और एक गांजा तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में पुलिस ने आज तड़के एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अगवा युवती को बचाया और आरोपी को गिरफ्तार किया। सोनापुर थाना प्रभारी और ईस्ट पुलिस डिस्ट्रिक्ट की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की टीम ने एक 19 वर्षीय लड़की को बरामद किया, जिसे मोहिबुर खान (21) ने जबरदस्ती अगवा कर लिया था। आरोपी को सोनापुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मुख्यालय द्वारा आज जारी एक बयान में बताया गया है कि बशिष्ठ पुलिस ने लालमाटी और हातीगांव से दो मोबाइल चोरों को गिरफ्तार किया। आरोपी कमल रॉय (23) और तैयजुद्दीन लश्कर (22) कई चोरी की घटनाओं में संलिप्त थे। इसके अलावा, दिसपुर पुलिस ने एक चोरी की स्कूटी बरामद की और इसके आरोपी देबजीत काकती (41) को गिरफ्तार किया। इस स्कूटी का रजिस्ट्रेशन नंबर एएस 01 बीएच 4262 था, जिसे भरालुमुख क्षेत्र से चुराया गया था। दिसपुर पुलिस ने एक और छापेमारी में 20.4 किलोग्राम गांजा, 7,310 रुपए नकद और एक मोबाइल फोन बरामद किया। आरोपी स्वपन दास उर्फ रंजीत दास (52), जो जोरहाट का निवासी है, को गिरफ्तार किया गया। उसने गांजा को अपने किराए के घर में छिपा रखा था।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए साइबर क्राइम पर जागरूकता सभा आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी गुवाहाटी के हाथीगांव थानांतर्गत इलाके में आज वरिष्ठ नागरिकों के लिए साइबर क्राइम पर विशेष जागरूकता सभा आयोजित की गई। यह विशेष कदम भारतीय विद्या भवन गुवाहाटी केंद्र द्वारा आयोजित किया गया। जागरूकता सभा का आयोजन मंगलवार को शहर के भेटापाड़ा स्थित दुर्गा मंदिर में आयोजित की गई। इसके जरिए वरिष्ठ नागरिकों को हाल के घटनाक्रमों के बारे में जागरूक किया गया, विशेष रूप से साइबर अपराधों के बारे में। वक्ताओं ने साइबर अपराधियों के चंगुल में फंसने से बचने के लिए क्या-क्या करना चाहिए, इस पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर निदेशक (आईटी) और डीआईओ सबिन दास मुख्य अतिथि और वक्ता के रूप में उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने किया जोगीघोपा टर्मिनल का उद्घाटन

बोले, भारत-भूटान और बांग्लादेश व्यापार को मिलेगी मजबूती

बंगाईगांव (हिंस)। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने मंगलवार को असम के जोगीघोपा टर्मिनल का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह टर्मिनल भारत, भूटान और बांग्लादेश के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगा। केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने कहा कि यह टर्मिनल व्यापार और वाणिज्य के क्षेत्र में तीनों देशों के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा। यह न केवल लॉजिस्टिक्स लागत को कम करेगा बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ाने के विजन को रेखांकित करते हुए सोनोवाल ने कहा कि यह प्रधानमंत्री मोदी द्वारा उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया के लोगों को दिया गया एक बहुमूल्य उपहार है। जलमार्गों के विकास से इस क्षेत्र में व्यापार और परिवहन का नया युग शुरू हो रहा है। यह टर्मिनल उत्तर-पूर्व जलमार्ग विकास योजना के तहत विकसित किया गया है, जिसमें बोगीबील (डिब्रूगढ़), सोनामुरा (त्रिपुरा), करीमगंज और बदरपुर (असम) में जलमार्ग टर्मिनलों का उन्नयन शामिल है। जोगीघोपा टर्मिनल को भारतमाला परियोजना के तहत विकसित किए जा रहे अंतर्राष्ट्रीय मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (आईएमएलपी) का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। यह सड़क, रेल, वायु और जलमार्गों को जोड़कर उत्तर-पूर्व को एक प्रमुख परिवहन केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। इस परियोजना से स्थानीय उद्योग, कृषि और निर्यात को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे उत्तर-पूर्व भारत वैश्विक व्यापार केंद्र बनने की ओर अग्रसर होगा।

कछार में भारी मात्रा में नशीले पदार्थ जब्त

कछार (हिंस)। कछार पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए धोलाई थाना क्षेत्र में एक वाहन को रोका और भारी मात्रा में नशीले पदार्थ जब्त किए। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को सोशल मीडिया के जरिए जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने वाहन से 40 हजार याबा टैबलेट और 260 ग्राम हेरोइन बरामद की है, जिसकी बाजार में कीमत करीब 14 करोड़ रुपए आंकी गई है। पुलिस ने इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री ने असम पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि असम पुलिस का ड्रग्स के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। उन्होंने राज्य में नशे के खिलाफ जारी अभियान को और मजबूती से आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

ताई आहोम युवा परिषद के विरुद्ध रंगिया थाने में शिकायत दर्ज

रंगिया (विभास)। श्रीमंत शंकरदेव संघ की रंगिया जिला शाखा द्वारा मंगलवार को ताई आहोम युवा परिषद के विरुद्ध रंगिया थाने में शिकायत दर्ज की गई। श्रीमंत शंकरदेव संघ के प्रतीक चिन्ह और संविधान की प्रति को जलाने का श्रीमंत शंकरदेव संघ की रंगिया जिला समिति द्वारा विरोध किया गया। संघ की रंगिया जिला शाखा के पचास से भी अधिक पदाधिकारियों ने टाइपा के विरुद्ध रंगिया पुलिस थाने में यह शिकायत पत्र दाखिल किया।

भारतीय स्टेट बैंक की पंच प्रण लक्ष्यों के तहत सीएसआर गतिविधि

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय स्टेट बैंक, गुवाहाटी ने मंगलवार को अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधि के तहत 135 युद्ध वीरों और वीर नारियों को वित्तीय सहायता प्रदान की। यह कार्यक्रम असम सैनिक कल्याण निदेशालय के सहयोग से *सैनिक भवन*, लाचित नगर, गुवाहाटी में आयोजित किया गया। इस अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक के महाप्रबंधक अमरेश कुमार झा, बैंक के वरिष्ठ अधिकारी, सेना की 51 सब एरिया मुख्यालय के अधिकारी तथा असम सैनिक कल्याण निदेशालय के निदेशक, अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। अमरेश कुमार झा ने असम सैनिक कल्याण निदेशालय के निदेशक ब्रिगेडियर पलाश चौधरी, सेना मेडल को 69.75 लाख रुपए की प्रतीकात्मक चेक भेंट की। यह राशि भारतीय स्टेट बैंक द्वारा चयनित 135 लाभार्थियों को वितरित की जाएगी, जिसमें प्रत्येक युद्ध वीर एवं वीर नारी के बैंक खाते में सीधे 50,000 रुपए जमा किए जाएंगे। भारतीय स्टेट बैंक की टीम ने कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को उपहार भी भेंट किए। कार्यक्रम का समापन गणमान्य व्यक्तियों, युद्ध वीरों और वीर नारियों के बीच अनौपचारिक बातचीत और हाई टी के साथ हुआ।

सस्ता सुंदर नामक ऑनलाइन एप के खिलाफ बंगाईगांव केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने दवा नियंत्रक को सौंपा स्मार-पत्र

बंगाईगांव। बंगाईगांव केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन द्वारा सस्ता सुंदर नामक ऑनलाइन एप के विरुद्ध में मंगलवार को बंगाईगांव के ड्रग इंस्पेक्टर के माध्यम से राज्य के भार प्राप्त दवा नियंत्रक को एक स्मारक पत्र प्रदान किया। इस एप के माध्यम से रोगियों को लुभाने के लिए विभिन्न सामाजिक माध्यमों से भ्रमात्मक विज्ञापन प्रसारित किया जा रहा है जो कि ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक एक्ट 1940 के विरुद्ध है। इस कानून के तहत ऐसे विज्ञापन गैरकानूनी होते हैं। स्मारक पत्र में उचित कार्रवाई करने की मांग की गई है ताकि ऐसे विज्ञापनों से आम जनता विशेष कर रोगियों को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। बंगाईगांव के ड्रग इंस्पेक्टर तसलीमा जहांन ने इस संदर्भ में उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। इस अवसर पर दवा विक्रेताओं की ओर से अध्यक्ष अरूप कुमार मलिक, उपाध्यक्ष परमानंद पाटगिरी, सचिव अशोक चौधरी, कोषाध्यक्ष महेश कुमार अग्रवाल, सदस्य नीताई पाल, परेश कुंडू, दीपंकर घोष उपस्थित थे।

गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स का प्रैक्टिस कैंप शुरू

गुवाहाटी (हिंस)। *एक टीम, दो घर। जन्म राजस्थान में, उत्सव असम में*। इस नारे के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सीजन के दो घरेलू मुकाबले गुवाहाटी में खेलने वाली राजस्थान रॉयल्स टीम इस बार असम और पूरे नॉर्थ ईस्ट के क्रिकेट प्रशंसकों को एक नया तोहफा देने जा रही है। टीम ने फैसला किया है कि क्रिकेट प्रेमी पहली बार स्टेडियम में बैठकर उनके अभ्यास सत्र का आनंद ले सकेंगे। राजस्थान रॉयल्स का ओपन प्रैक्टिस सेशन 21 फरवरी को बरसापाड़ा के एसीए स्टेडियम में रात 7 बजे से 11 बजे तक होगा, जहां दर्शकों को बिना किसी टिकट के खिलाड़ियों के अभ्यास को देखने का मौका मिलेगा। यह पहली बार होगा जब असम में किसी टीम का अभ्यास सेशन स्टेडियम में दर्शकों के लिए खोला जा रहा है। इसी के तहत राजस्थान रॉयल्स ने आज से एसीए स्टेडियम में अपना अभ्यास सत्र शुरू कर दिया है। पहले दिन के अभ्यास में असम के रियान पराग, नीतीश राणा, ध्रुव जुरेल, वैभव सूर्यवंशी, अशोक शर्मा, आकाश मधवाल और संदीप शर्मा सहित कई खिलाड़ी शामिल हुए। मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और स्पिन बॉलिंग कोच सईराज बहुतुले की उपस्थिति में यह ट्रेनिंग कैंप 22 फरवरी तक चलेगा। गौरतलब है कि राजस्थान रॉयल्स इस बार सिर्फ मैच ही नहीं, बल्कि अपना ट्रेनिंग कैंप भी गुवाहाटी में कर रही है। आईपीएल के नए सीजन में टीम 26 मार्च को गुवाहाटी में कोलकाता नाइट राइडर्स और 30 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अपने घरेलू मुकाबले खेलेगी। इससे पहले टीम 23 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी। लगातार तीसरी बार राजस्थान रॉयल्स ने गुवाहाटी को अपना दूसरा घरेलू मैदान चुना है। पिछले दो सीजन में उत्तर-पूर्व के क्रिकेट प्रेमियों ने जिस तरह राजस्थान रॉयल्स का समर्थन किया, उससे टीम भावनात्मक रूप से इस क्षेत्र से जुड़ाव महसूस कर रही है।

कोकराझाड़ : सीमावर्ती क्षेत्र में एसएसबी ने लगाया नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

कोकराझाड़ (विभास)। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, रानीगुली, कोकराझाड़ (असम) के डॉ. सौम्य हल्दर मुख्य चिकित्सा अधिकारी के नेतृत्व में सीमा चौकी सरलपाड़ा के अंतर्गत भारत-भूटान सीमावर्ती कार्यक्षेत्र में जन कल्याण योजना के तहत मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम साउथ सरलपाड़ा के पुतली बाजार में आयोजित किया गया है। जिसमें सीमा चौकी सरलपाड़ा के अंतर्गत आने वाले गांवों के सीमावर्ती क्षेत्र के ग्रामीणों को चिकित्सा उपचार एवं दवाइयां वितरण की गई। इस नि:शुल्क मानव चिकित्सा शिविर में कुल 149 ग्रामवासियों की जांच उपचार तथा दवाईयां वितरण कराई गई। इस कार्यक्रम में सीमावर्ती क्षेत्रों के ग्रामीणों ने सशस्त्र सीमा बल के द्वारा आयोजित की गई मानव चिकित्सा शिविर की सराहना की।

कछार में सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में नए कदम

जन सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन

सिलचर। कछार जिला प्रशासन ने सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के सहयोग से उठाए गए इन उपायों का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना तथा चालकों और पैदल यात्रियों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना है। इस नई पहल के तहत, एक महत्वपूर्ण कदम अब विभिन्न जीर्ण-शीर्ण और दुर्घटना-प्रवण स्थानों पर स्पीड ब्रेकर लगाना है। आशा है कि यह प्रणाली लापरवाही से वाहन चलाने पर नियंत्रण रखेगी तथा टकराव के जोखिम को कम करेगी। इसके अतिरिक्त, रात में तथा खराब मौसम में दृश्यता बढ़ाने के लिए प्रमुख सड़कों पर रिफ्लेक्टिव बोर्ड लगाए गए हैं। ये बोर्ड ड्राइवरों को दिशा-निर्देश प्रदान करेंगे और उन्हें सुरक्षित रूप से अपने गंतव्य तक पहुंचने में मदद करेंगे। प्रशासन ने सड़क सुरक्षा के बारे में जन जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर सड़क संकेत लगाए हैं। ये संकेत वाहन चालकों और पैदल यात्रियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश प्रदान करेंगे तथा सुरक्षित यात्रा के लिए प्रोत्साहित करेंगे। उदाहरण के लिए, ड्राइवरों को सही गति से वाहन चलाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु सड़कों पर गति सीमा के संकेत लगाए गए हैं। रात्रि में सड़क सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए रेट्रो-रिफ्लेक्टिव पेवमेंट मार्कर (आरपीएम) लगाए गए हैं। ये परावर्तक मार्कर कार की हेडलाइट्स में चमकेंगे और ड्राइवरों को सही रास्ता पहचानने में मदद करेंगे। इसके अतिरिक्त, विभिन्न चौराहों पर टी-जंक्शन संकेत लगाए गए हैं, ताकि चालकों को सड़क की स्थिति को आसानी से समझने में मदद मिले और टकराव की संभावना कम हो। इन कदमों के माध्यम से कछार जिला प्रशासन ने सार्वजनिक सुरक्षा के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। प्रशासन ने जनता को आगाह किया है कि सड़क सुरक्षा केवल सरकारी प्रयासों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करे, जिम्मेदारी से वाहन चलाए और जिम्मेदार बने। इन सभी कदमों के माध्यम से कछार जिले ने एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है, तथा यह साबित किया है कि उचित योजना और सभी पक्षों के सहयोग से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना तथा बहुमूल्य जीवन बचाना संभव है। यह खबर सिलचर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई।

कोकराझाड़ : दस बीघा से अधिक की अफीम की खेती नष्ट

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के असम-पश्चिम बंगाल सीमा में संकोस नदी के किनारे पुलिस ने अभियान चलाकर 10 बीघा से अधिका की अफीम की खेती को नष्ट किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज आबकारी विभाग, कृषि विभाग के अधिकारियों और गोसाईगांव महकमा पुलिस अधिकारी ने संयुक्त रूप से अभियान चलाकर 10 बीघा से अधिक की अफीम की खेती को नष्ट किया। यह अभियान पुलिस अधिकारी हिरेन कुमार डेका के नेतृत्व में चलाया गया। सूचना के अनुसार यह अफीम की खेती गुप्त तरीका से चलाया जा रहा था। बाजार में एक किलो अफीम की मूल्य 64 लाख रुपए हैं। पुलिस ने अफीम की खेती को नष्ट करने के साथ ही ट्रैक्टर कुचल कर ध्वंस कर दिया।

संपादकीय

वक्फ पर सियासी बवाल

भारत एक लोकतांत्रिक और संवैधानिक राष्ट्र है। कानून का राज है, तटस्थ और विवेकी न्यायपालिका है। इस देश में वक्फ बोर्ड भी है। वह जिस इमारत, जमीन, गांव और सैकड़ों साल पुराने मंदिर और मठ की तरफ अपनी उंगली उठाता है, तो वह उसकी संपत्ति मान ली जाती है। बेशक विवादों के लिए एक ट्रिब्यूनल भी है, लेकिन उसमें 40,950 से अधिक मामले अब भी लंबित पड़े हैं। 9942 मामले ऐसे भी हैं, जो मुसलमान वादियों ने ही वक्फ के खिलाफ कर रखे हैं। देश में सेना और रेलवे के बाद सबसे अधिक वक्फ बोर्ड के अधीन 9.40 लाख एकड़ जमीन है। आर्थिक विश्लेषण किया जाए, तो उस जमीन से 1.25 लाख करोड़ रुपए की आमदनी होनी चाहिए। वक्फ जमीन के कब्जेबाज सिर्फ 200 करोड़ रुपए की आमदनी ही मानते रहे हैं। क्या यह किसी घोटाले की ओर संकेत करता है? क्या ऐसी निरंकुशता और कानूनहीनता किसी संवैधानिक देश में स्वीकार्य हो सकती है? यह बुनियादी आधार है, जिस पर वक्फ बोर्ड के नए कानून, नए नियमों और पूरी तरह कानूनी प्रारूप के लिए मौजूदा कानून में संशोधन अनिवार्य है। भारत में सेंट्रल और राज्य के कुल 30 बोर्ड कार्यरत हैं। लाखों संपत्तियां वक्फ बोर्ड के अधीन हैं, लेकिन आम मुसलमान के लिए कोई फायदा नहीं। आम मुसलमान के लिए कोई अधिकृत अस्पताल नहीं। आधुनिक स्कूल, कॉलेज नहीं हैं। जरूरतमंद के लिए आर्थिक मदद की कोई विशेष योजना नहीं है। मुसलमानों की स्थिति पर सच्चर कमेटी की रपट में भी वक्फ पर कई गंभीर और तल्ख टिप्पणियां की गई थीं। दरअसल एक ताकतवर तबके के वक्फ बोर्ड के जरिए लाखों संपत्तियों पर अवैध कब्जे हैं। संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 29 के तहत न तो किसी के मौलिक अधिकार छीने जा रहे हैं, न मजहबी आजादी को 'गुलाम' बनाया जा रहा है और न ही सरकार किसी मस्जिद, इबादतगाह, दरगाह, मदरसों, कब्रिस्तानों आदि पर कब्जे के मंसूबे पाले बैठी है। संविधान और प्रभावशाली न्यायपालिका के देश में यह करना संभव भी नहीं है। मुस्लिम सांसद ओवैसी साक्ष्यों और अतीत की घटनाओं के आधार पर यह साबित करें कि सरकार वक्फ संशोधन कानून इसलिए बनाना चाहती है, ताकि मुसलमानों की वक्फ परिसंपत्तियों को हड़पा जा सके। मुस्लिम और उनके वोट बैंक पर जिंदा राजनीतिक दलों के नेता औसत मुसलमान को भडकाने और आंदोलित करने की सियासत कर रहे हैं, लिहाजा राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने वक्फ बिल पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की 655 पन्नों की रपट को 'फर्जी' करार दिया है। उसे अलोकतांत्रिक, संविधान-विरोधी और प्रक्रिया-विरोधी भी माना है। लोकतांत्रिक भारत में 'असंवैधानिक' तो यह है कि वक्फ संपत्तियों का कोई 'सेंट्रल डाटा' ही उपलब्ध नहीं है। वक्फ वाले तो संसद भवन की जमीन को भी वक्फ की संपत्ति मानते हैं। शुक्र है कि अभी राष्ट्रपति भवन उनकी निगाहों से बचा हुआ है। वक्फ को लालकिला और कुतुब मीनार की जमीन को भी वक्फ की संपत्ति मानने में कितना वक्त लग सकता है? हैरान व्यवस्था है कि वक्फ ट्रिब्यूनल के फैसले को किसी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती! अब संशोधित बिल के अनुसार ट्रिब्यूनल के फैसले को राजस्व अदालत, सिविल कोर्ट और उच्च न्यायालय में चुनौती दी जा सकेगी। वक्फ में ऐसे कई बिंदु और व्यवस्थाएं हैं, जिन्हें कानून के दायरे में लाना संसद का दायित्व है।

> वक्फ जमीन के कब्जेबाज सिर्फ 200 करोड़ रुपए की आमदनी ही मानते रहे हैं। क्या यह किसी घोटाले की ओर संकेत करता है? क्या ऐसी निरंकुशता और कानूनहीनता किसी संवैधानिक देश में स्वीकार्य हो सकती है? यह बुनियादी आधार है, जिस पर वक्फ बोर्ड के नए कानून, नए नियमों और पूरी तरह कानूनी प्रारूप के लिए मौजूदा कानून में संशोधन अनिवार्य है। भारत में सेंट्रल और राज्य के कुल 30 बोर्ड कार्यरत हैं। लाखों संपत्तियां वक्फ बोर्ड के अधीन हैं, लेकिन आम मुसलमान के लिए कोई फायदा नहीं। आम मुसलमान के लिए कोई अधिकृत अस्पताल नहीं। आधुनिक स्कूल, कॉलेज नहीं हैं। जरूरतमंद के लिए आर्थिक मदद की कोई विशेष योजना नहीं है। मुसलमानों की स्थिति पर सच्चर कमेटी की रपट में भी वक्फ पर कई गंभीर और तल्ख टिप्पणियां की गई थीं। दरअसल एक ताकतवर तबके के वक्फ बोर्ड के जरिए लाखों संपत्तियों पर अवैध कब्जे हैं। संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 29 के तहत न तो किसी के मौलिक अधिकार छीने जा रहे हैं, न मजहबी आजादी को 'गुलाम' बनाया जा रहा है और न ही सरकार किसी मस्जिद, इबादतगाह, दरगाह, मदरसों, कब्रिस्तानों आदि पर कब्जे के मंसूबे पाले बैठी है। संविधान और प्रभावशाली न्यायपालिका के देश में यह करना संभव भी नहीं है।

आपसी तालमेल बनाए रखते हुए सावधानी से आगे बढ़ना जरूरी है

भारत एआई क्रांति में अग्रणी बन दुनिया का नेतृत्व करे

ललित गर्ग

> एआई से बदलती दुनिया के चमत्कार वरदान से कम नहीं है, लेकिन इससे जुड़ी चुनौतियां एवं खतरे इसे अभिशाप में भी बदल सकते हैं। बहुत आवश्यक है कि इसके उपयोग के संदर्भ में कोई वैश्विक ढांचा एवं नियंत्रण का केन्द्र एवं नीति बने। क्योंकि एआई के दुरुपयोग के खतरे किसी से छिपे नहीं। अभी एआई का उपयोग अपने प्रारंभिक चरण में ही है, लेकिन उससे पैदा होने वाली कई चुनौतियों एवं खतरों ने सिर उठा लिया है।

पेरिस में हुए दो दिवसीय एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) एक्शन समिट ने जहां दुनिया के लिए आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के महत्व को उजागर किया, वहीं यह भी साफ कर दिया कि इस मामले में होड़ के बावजूद सभी देशों का आपसी तालमेल बनाए रखते हुए सावधानी से आगे बढ़ना जरूरी है। एआई से बदलती दुनिया के चमत्कार वरदान से कम नहीं है, लेकिन इससे जुड़ी चुनौतियां एवं खतरे इसे अभिशाप में भी बदल सकते हैं। बहुत आवश्यक है कि इसके उपयोग के संदर्भ में कोई वैश्विक ढांचा एवं नियंत्रण का केन्द्र एवं नीति बने। क्योंकि एआई के दुरुपयोग के खतरे किसी से छिपे नहीं। अभी एआई का उपयोग अपने प्रारंभिक चरण में ही है, लेकिन उससे पैदा होने वाली कई चुनौतियों एवं खतरों ने सिर उठा लिया है। लेकिन इस नई तकनीक से जीवनशैली, शिक्षा, चिकित्सा, युद्ध, सेना, शासन-प्रशासन, चुनाव, व्यापार, विचार आदि में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिल रहे हैं। भारत एआई को लेकर बहुत उत्साहित है और दुनिया में एआई का सबसे बड़ा केन्द्र बनने को भी तैयार है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के साथ इस शिखर बैठक की सह-अध्यक्षता की बल्कि अगली शिखर बैठक की मेजबानी करने की पेशकश भी करते हुए बता दिया कि भारत इस पहल को कितनी गंभीरता से लेता है। भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होते हुए तकनीकी विकास की दृष्टि से भी सफलता के नये झंडे गाड रहा है। एआई को लेकर भारत की सोच सकारात्मक एवं विकासमूलक है इसीलिये प्रधानमंत्री मोदी ने यह सही कहा कि इस तकनीक में दुनिया को बदलने की ताकत है, लेकिन अमेरिका की कुछ बड़ी तकनीकी कंपनियों ने सूचना संसार में अपना एकाधिकार स्थापित कर लिया है। उनके एकाधिकार और उनकी मनमानी से निपटना विश्व के तमाम देशों के लिए मुश्किल हो रहा है। यदि इसी तरह का एकाधिकार एआई कंपनियों ने भी स्थापित कर लिया तो फिर समस्या गंभीर हो जाएगी। सबसे अधिक समस्या विकासशील

और निर्धन देशों को होगी, जो पहले से ही चुनिंदा तकनीकी कंपनियों के वर्चस्व तले दबी हुई है। मोदी ने एआई तकनीक के संतुलित एवं विवेकसम्मत उपयोग एवं विकास की आवश्यकता को भी व्यक्त किया। क्योंकि यह उन्नत तकनीक बनाने वाली कुछ कंपनियां उसे अपने हिसाब से संचालित करती हुई भी दिख रही हैं। इस तकनीक का मनमाना इस्तेमाल न होने पाए, इसके लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को प्रभावी कदम उठाने होंगे। यह एआई एक्शन समिट ऐसे समय हो रही है, जब चीनी कंपनी डीपसीक दुनिया को एक जबर्दस्त झटका दे चुकी है। भारत एआई की चुनौतियों एवं खतरों को लेकर सतर्क है। क्योंकि एआई द्वारा प्रस्तुत चुनौतियाँ बहुआयामी हैं और लगातार विकसित हो रही हैं। उदाहरण के लिए डीपफेक, जो डिजिटल मीडिया हैं-वीडियो, ऑडियो और चित्र-जिन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके संपादित और हेरफेर किया जाता है, हाइपर-रियलिस्टिक डिजिटल मिथ्याकरण को शामिल करते हैं। इसका संभावित रूप से प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने, सबूत गढ़ने और लोकतांत्रिक संस्थानों में विश्वास को कम करने के लिए उपयोग किया जा सकता है। जबकि डीपफेक का इस्तेमाल चुनावों जैसे कुछ मामलों में किया गया है, उनका उपयोग विभिन्न अन्य क्षेत्रों में भी तेजी से देखा जा रहा है। डीपफेक के अलावा, एआई से जुड़े अन्य जोखिम भी हैं। इनमें गोपनीयता, पूर्वाग्रह, पारदर्शिता, जवाबदेही और दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए एआई के संभावित दुरुपयोग से संबंधित मुद्दे शामिल हैं। भारत सरकार इन मुद्दों को सलाह और विनियमों के माध्यम से नियोजित एवं नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है जो पारदर्शिता, सामग्री मॉडरेशन, सहमति तंत्र और डीपफेक पहचान पर जोर देते हैं ताकि जिम्मेदार एआई तैनाती सुनिश्चित हो और चुनावी अखंडता की रक्षा हो सके। यह एक सतत प्रयास है और जैसे-जैसे आगे बढ़ेंगे, इन चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक मजबूत तंत्र के विकास के साथ सक्षम होने की अपेक्षा रहेगी। एआई विकसित होता रहेगा, नये-नये करिश्माई एवं चमत्कारी आयाम उससे जुड़ते रहेंगे और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह ऐसे तरीके से हो जो सभी के लिए सुरक्षित, नैतिक और लाभकारी हो। आवश्यक बुनियादी ढांचे, हार्डवेयर और क्लाउड कंप्यूटिंग क्षमताओं के विकास में सहायता के लिए निवेश महत्वपूर्ण है। सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग से आवश्यक पूंजी जुटाई जा सकती है। यह संयुक्त प्रयास एआई नवाचार, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा दे सकेगा और जिससे भारत एआई क्रांति में अग्रणी बन दुनिया का नेतृत्व कर सकेगा। इसी पहलू को रेखांकित करती है यह पेरिस की तीसरी एआई एक्शन समिट, जिसमें दुनिया भर के 90 देशों और तमाम बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस हमारे भविष्य का अनिवार्य हिस्सा है, लेकिन किसी भी वजह से इसकी ग्रोथ को बेकाबू होने दिया गया तो उसके परिणाम खतरनाक साबित हो सकते हैं। भारत की भूमिका को खास बनाता है इसका असाधारण टैलंट पूल, इसके वे इंजिनियर और वैज्ञानिक जो नाम मात्र की लागत पर बड़े-बड़े अंतरिक्ष अभियान को अंजाम देते रहे हैं। हालांकि अभी तक इस मामले में भारत की पहल बहुत अच्छी नहीं कही जा सकती। बेहतर होगा कि केंद्र सरकार एक स्वतंत्र मंत्रालय बनाकर इस तकनीक को लेकर अपनी प्राथमिकता तय करे। इनोवेशन में भारत को हर जोखिम को उठाने के लिये स्वयं को सक्षम करना होगा। एआई का समुचित लाभ उठाने के लिए बहुत कुछ करने की जरूरत है।

दृश्टि कोण

भ्रष्टाचार मिटाने को जिम्मेदारी तय हो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में कहा था कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए एजेंसियों को खुली छूट दे दी है और इसमें सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचार एक दीमक है जिसने देश को खोखला कर दिया है और वह देश को इस बुराई से मुक्त करने के लिए पूरे मनोयोग से काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के इस दृढ़निश्चय के बावजूद भारत में भ्रष्टाचार कैंसर की तरह फैलता जा रहा है। केंद्र की भाजपा सरकार हो या राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें, सभी भ्रष्टाचार के विरुद्ध बड़े दावे-वादे करती रही हैं, किंतु यह समस्या सुरसा के मुंह की तरह विकराल होती जा रही है। करप्शन परसेप्शन इंडेक्स-2024 की भ्रष्टाचार की सूची वाले देशों में भारत 96वें पायदान पर पहुंच गया है। साल 2023 में भारत की रैंक 93 थी। भारत इस सूची मे पड़ोसी देशों की ज्यादा बुरी हालत पर कुछ राहत महसूस कर सकता है। भ्रष्टाचार की इस सूची में भारत के पड़ोसी देशों में पाकिस्तान 135 नंबर पर और श्रीलंका 121 पर हैं, जबकि बांग्लादेश की रैंकिंग और भी नीचे 149 पर चली गई है। इस लिस्ट में चीन 76वें स्थान पर है। डेनमार्क सबसे कम भ्रष्ट राष्ट्र होने की सूची में सबसे ऊपर है, उसके बाद फिनलैंड और सिंगापुर हैं। 1995 से 2024 तक भारत में भ्रष्टाचार की औसत दर 78.03 रही, जो 2024 में 96.00 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई और 1995 में 35.00 के रिकॉर्ड निम्नतम स्तर पर पहुंच गई थी। भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक यानी सीपीआई दुनिया में सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली वैश्विक भ्रष्टाचार रैंकिंग है। यह मापता है कि विशेषज्ञों और व्यवसायियों के अनुसार प्रत्येक देश का सार्वजनिक क्षेत्र कितना भ्रष्ट है। प्रत्येक देश का स्कोर 13 विभिन्न भ्रष्टाचार सर्वेक्षणों और आकलनों से प्राप्त कम से कम 3 डेटा स्रोतों से लिया जाता है। ये सोर्स विश्व बैंक और विश्व आर्थिक मंच सहित विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा एकत्र किए जाते हैं। सीपीआई की गणना करने की प्रक्रिया की नियमित रूप से समीक्षा की जाती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जारी की जाने वाली सूची यथासंभव मजबूत और सुसंगत है या नहीं? भारत में विदेशी निवेश अपेक्षाकृत नहीं आने का एक प्रमुख कारण भ्रष्टाचार है। भ्रष्टाचार के कारण भारत की अंतरराष्ट्रीय साख कमजोर है। विदेशी कंपनियां यहां निवेश करने से कतराती हैं। देश के उद्योगपति और लघु व मध्यम व्यवसायी इसकी मार से बच नहीं सके हैं। भारत एक तरफ वैश्विक ताकत बनने की दिशा में अग्रसर है, वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार की जंजीर इसके बढ़ते कदम को रोक रही है। ऐसा देश का शायद ही कोई चुनाव होगा जिसमें प्रधानमंत्री मोदी ने भ्रष्टाचार का जिक्र नहीं किया हो। मोदी ने लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव के दौरान भ्रष्टाचार पर प्रहार करने में कसर बाकी नहीं रखी। संसद में दिए गए भाषण में उन्होंने कहा था कि मेरे लिए भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई चुनावी जीत या हार के पैमाने पर नहीं है। मैं चुनाव जीतने या हारने के लिए भ्रष्टाचार से नहीं लड़ रहा हूं। यह मेरा मिशन है, मेरा विश्वास है। मेरा मानना है कि भ्रष्टाचार एक ऐसा दीमक है जिसने देश को खोखला कर दिया है। मैं इस देश को भ्रष्टाचार से मुक्त करने और आम लोगों के मन में भ्रष्टाचार के खिलाफ नफरत पैदा करने के लिए पूरे दिल से काम कर रहा हूं। प्रधानमंत्री के देश से पूरी तरह भ्रष्टाचार के खात्मे के प्रति प्रतिज्ञा लेने के बावजूद यदि यह संक्रामक रोग की तरह बढ़ता ही जा रहा है, तो इसके लिए ज्यादातर राजनीतिक दल जिम्मेदार हैं। क्षेत्रीय दलों की हालत यह है कि उनका एकमात्र मकसद किसी भी हालत में सत्ता में बने रहना है। इसके लिए बेशक भ्रष्टाचार से किसी भी हद तक समझौता क्यों न करना पड़े। यही वजह रही है कि इंडिया गठबंधन लगातार चुनावों में शिकस्त खाता रहा है। आश्चर्य यह है कि लोकसभा चुनावों और राज्यों के विधानसभा चुनावों में करारी हार के बावजूद विपक्षी दलों ने भ्रष्टाचार को कभी भी प्रमुख चुनावी मुद्दा नहीं बनाया। भ्रष्टाचार को लेकर हालात ये हैं कि जैसे ही कोई भी विपक्षी दल भ्रष्टाचार का जिक्र करता है, तत्काल सत्तारूढ़ दल न सिर्फ उसके बचाव में उतर आता है, बल्कि विपक्षी दल के कारनामे गिनाने लगता है। यही वजह है कि क्षेत्रीय दल अपने राज्यों में मनमानी करने पर आमदा हैं। यदि केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय कोई कार्रवाई करता है, तो राज्य के सत्तारूढ़ दल इसे बदले की कार्रवाई करार देने लगते हैं। इसका उदाहरण पश्चिमी बंगाल की ममता बनर्जी सरकार, तमिलनाडु की स्टालिन सरकार और कर्नाटक की सिद्धारमैया की सरकार है। इतना ही नहीं, राजनीतिक दलों का भरसक प्रयास होता है कि अदालतों में चल रहे भ्रष्टाचार के मामलों को भी प्रभावित किया जाए। गौरतलब है कि सीनियर वकील हरीश साल्वे सहित देश के 600 से ज्यादा वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर न्यायपालिका पर सवाल उठाने को लेकर चिंता जाहिर की थी। सीजेआई को लिखी चिट्ठी में वकीलों ने कहा था कि ये समूह न्यायिक फैसलों को प्रभावित करने के लिए दबाव की रणनीति अपना रहा है और ऐसा खासकर सियासी हस्तियों और भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़े मामलों में हो रहा है। चिट्ठी में कहा गया है कि ये समूह ऐसे बयान देते हैं जो सही नहीं होते हैं और ये राजनीतिक लाभ के लिए ऐसा करते हैं।

कुछ अलग

कॉमन सैंस का सवाल है...

वे दोनों निहायत ही कॉमन आदमी थे। लिहाजा तिकड़म से भी दूर थे। किसी भी स्तर के लीडर के साथ उनकी कोई भी सैटिंग नहीं थी। यहां तक कि अफसरशाही में भी उनका कोई टांका फिट नहीं था। अपने हर काम के लिए उन्हें लाईन में लगना पड़ता था। वे बस टिकट लेने के लिए भी लाईन में लगते थे और पीछे से आए लोग उनके आगे खड़े होकर उन्हें बार-बार पीछे धकेल देते थे। बसों में आरक्षित सीटों पर दूसरी किस्म के यात्रियों को आराम से टांगें फैलाकर यात्रा करते देखना उनकी नियति में शुमार था। वे चलती बस में हैंडल पकडक़र झूलते हुए अक्सर यह सोचा करते थे कि वह दिन कब आएगा जब हर बस में यह लिखा होगा कि 'सारी सीटें कॉमन आदमी के लिए आरक्षित हैं।' एक दिन उनके कान में उड़ते-उड़ते कहीं से यह खबर पहुंची कि 'सरकार अब सारे फैसले कॉमन आदमी के हितों को सामने रख कर लेगी।' पहले तो उन्हें इस खबर पर विश्वास नहीं हुआ। लेकिन जब उन्होंने अखबारों में इस बाबत खबर पढ़ी तो उनकी हैरत और बढ़ी। दोनों चूंकि कॉमन आदमी थे, लिहाजा बौद्धिक और वैचारिक रूप से भी कॉमन थे। उन्होंने अपने हिसाब से इस खबर का विश्लेषण करना शुरू किया। पहले कॉमन आदमी ने दूसरे कॉमन आदमी से कहा- इसका मतलब है कि सरकार को अब पता चल गया है कि कॉमन आदमी का भी कोई हित होता है? दूसरे ने कान खुजलाते हुए कहा कि, 'लेकिन सरकार को यह बात किसने बताई होगी कि कॉमन आदमी का भी कोई हित होता है?' पहले ने इस पर अनभिज्ञता जताते हुर कहा- 'जरूर सरकार को इस बारे कोई इल्म हुआ होगा या कोई आकाशवाणी सरकार के कानों ने सुनी होगी, वरना अपनी समझ के मुताबिक तो इस व्यवस्था में कॉमन आदमी के नसीब में सिर्फ धक्के खाना ही लिखा है।' दूसरे आदमी ने कुछ देर सोचने के बाद कहा, 'लेकिन मेरी कॉमन सैंस तो यही कहती है कि जिस तरह राष्ट्रहित नाम की कोई चीज होती है, उसी तरह उनके लिए 'कॉमन मैन का हित' नाम की चीज जरूर होती होगी।' पहले आदमी ने भी इस सवाल पर कुछ देर चिंतन मुद्रा बनाए रखी और फिर कहा, 'अगर मैं अपनी कॉमन सैंस पर यकीन करूं तो नेताओं के लिए राष्ट्रहित और कॉमन आदमी के हित दोनों बेकार की चीजें हैं। नेता राष्ट्रहित से भी खिलवाड़ करते आए हैं और कॉमन आदमी के हित से भी।' दूसरे आदमी ने पहले आदमी के इस विचार को सिरे से खारिज करते हुए कहा- 'जब सरकार कॉमन आदमी के हित सामने रखने की बात कह रही है, तो जरूर व्यवस्था में कुछ नया होने वाला होगा।' पहले आदमी ने खिल्ली उड़ाते हुए कहा, 'क्या तुम समझते हो कि सरकार अब पैट्रोल, डीजल और खाद्य वस्तुओं की कीमतें बढ़ाने से पहले कामन आदमी से पूछा करेगी? घोटालों को अंजाम देने से पहले कॉमन आदमी को विश्वास में लिया करेगी? डील-शील करने से पहले कॉमन आदमी का भी उसमें हिस्सा पती रखा करेगी? कॉमन आदमी के काम बिना रिश्वत लिए प्राथमिकता के आधार पर हुआ करेंगे?' दूसरे आदमी ने पहले आदमी की बात बीच में काटते हुए कहा, 'अगर सरकार कॉमन आदमी के लिए इतना सब कुछ करने लग गई तो फिर अपने लिए क्या करेगी? अगर कॉमन आदमी को सरकार वीआईपी सुविधाएं देने लग गई, तो फिर वीआईपी और कॉमन मैन के बीच क्या फर्क होगा। वीआईपी को फिर कौन घास डालेगा?' अब ताव में आने की बारी पहले आदमी की थी।

देश दुनीया से

केंद्रीय बजट और हमारा प्रदेश

केंद्रीय बजट पर देश के प्रत्येक राज्य व समाज के प्रत्येक वर्ग की निगाहें टिकी रहती हैं कि उन्हें इससे क्या मिला? केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक फरवरी 2025 को 2025-26 का बजट लोकसभा में प्रस्तुत करते हुए देश के विकास और कल्याण के लिए कई बड़ी घोषणाएं कीं। लेकिन बिहार और असम के सिवाय किसी राज्य का विशेष जिक्र नहीं हुआ। जब बिहार में मखाना बोर्ड और असम में यूरिया संयंत्र स्थापित करने का विशेष उल्लेख किया गया, तो हिमाचल प्रदेश सहित कई राज्य कह उठे कि हमारे राज्य को तो कुछ नहीं मिला। लेकिन ऐसा कहना सही नहीं होगा। राष्ट्रीय योजनाओं व कार्यक्रमों से हर राज्य को लाभ मिलता आया है और मिलता ही रहेगा। आखिर हमारा भारत, संघीय ढांचा ही तो है। राज्यों को मिल कर ही देश बना है। देश में एक ही तो नागरिकता है। जो देश का है वह राज्यों का भी है। यहां बजट में की गई कुछ घोषणाओं का जिक्र करना जरूरी है, जिससे अन्य राज्यों के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश को भी बहुत फायदा मिलने वाला है। कृषि व बागवानी : प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना लागू करने की घोषणा हुई है जिसमें कम उत्पादकता, कम फसलों की बुआई और औसत से कम ॠण मानदंडों वाले 100 जिलों में उत्पादकता व भंडारण बढ़ाने के लिए विशेष प्रयत्न किए जाएंगे। सिंचाई सुधार के साथ-साथ किसानों को दीर्घ व लघु अवधि के ॠण उपलब्ध करवाए जाएंगे। इस योजना से देश के 1.7 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे। हिमाचल प्रदेश से भी इस कार्यक्रम के अंतर्गत किसी एक जिले को चुने जाने की संभावना है। पहले भी सबसे कम विकसित जिलों की आर्थिक प्रगति के लिए चलाई गई एकांक्षी जिला योजना के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश के चंबा जिला को चुना गया था। फल व सब्जी उत्पादन व खाद्य और फल प्रसंस्करण के लिए भी देश में व्यापक कार्यक्रम चलाए जाने का प्रस्ताव है। हिमाचल प्रदेश, देश के फल राज्यों में से एक है। राज्य में सेब की पैदावार सबसे अधिक होने के कारण इसे सेब राज्य की संज्ञा दी गई है। हिमाचल प्रदेश को गैर मौसमी सब्जियां उगाने की भी महारत हासिल है। ऐसे में हमारे बागवानों और सब्जी उत्पादकों को भी लाभ मिलना सुनिश्चित है। केंद्रीय बजट में किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसानों को दिए जाने वाले ॠणों की ॠण सीमा तीन लाख से पांच लाख तक बढ़ाए जाने की घोषणा की गई है। हिमाचल में 10 लाख के करीब सीमांत, लघु, मझोली और बड़ी किसानी जोते हैं। इस बढ़ोतरी का लाभ हिमाचल के खेती किसानों, डेयरी किसानों और यहां तक कि मछुआरे भी उठा सकते हैं। प्रदेश में 13000 के लगभग मछुआरे हैं। एमएसएमई और स्टार्टअप (सूक्ष्म और मध्यम उद्यम), एमएसएमई व स्टार्टअप के लिए वर्गीकरण से संबंधित निवेश और कारोबार की सीमाओं को 2.5 व 2.0 गुणा बढ़ाया जा रहा है। उन्हें ॠण तक पहुंच बनाने के लिए ॠण गारंटी कवर बढ़ाने की घोषणा भी हुई है। सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए रुपए 5 करोड़ से रुपए 10 करोड़, स्टार्टअप के लिए 10 करोड़ से बढ़ा कर 20 करोड़, उत्तम चल रहे निर्यातक एमएसएमई के लिए रुपए 20 करोड़ के सावधि ॠण की व्यवस्था की जा रही है। हिमाचल प्रदेश के उद्यमियों को भी इससे लाभ पहुंचेगा और उद्यमियों के साथ-साथ प्रदेश में युवाओं के लिए भी रोजगार बढ़ेगा। प्रदेश में इस समय 136000 उद्यम पंजीकृत हैं जिसमें 97.5 प्रतिशत सूक्ष्म, 2.37 प्रतिशत लघु और 0.28 प्रतिशत मध्यम किस्म के हैं। शिक्षा और कौशल विकास : बच्चों में जिज्ञासा और नवाचार की भावना उत्पन्न करने की उद्देश्य से देश में पहले से ही अटल टिंकरिंग लैब कार्यक्रम चल रहा है। अगले पांच सालों में 50000 और अटल टिंकरिंग लैब खोले जाने का प्रस्ताव है। निश्चित तौर पर हिमाचल प्रदेश के कई विद्यालय इस सुविधा को प्राप्त कर सकेंगे। भारतीय नेट परियोजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी माध्यम पाठशालाओं को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान की जाएगी जिसमें हिमाचल के भी कई स्कूलों को कनेक्टिविटी मिलेगी। भारतीय भाषा पुस्तक स्कीम के तहत स्कूल और उच्चत्तर में शिक्षा के लिए भारतीय भाषाओं में डिजिटल रूप में पुस्तकें प्रदान की जाएंगी जिससे प्रदेश के विद्यार्थी भी लाभान्वित होंगे। आईआईटी में प्रवेश के लिए आगामी वर्ष 6500 अतिरिक्त सीटें और मेडिकल कॉलेजों में 10000 नई सीटें सृजित होंगी। मेडिकल कॉलेजों में आगामी पांच सालों में 75000 नए प्रवेश दिए जाने का प्रस्ताव है, जिससे हिमाचल प्रदेश के इच्छुक विद्यार्थियों को भी लाभ मिलेगा। इसी तरह कौशल निर्माण के लिए देश में राष्ट्रीय कौशल उत्कृष्टता केंद्र खोले जा रहे हैं जिससे राज्य के युवक भी प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे। स्वास्थ्य : केंद्रीय बजट में कैंसर व अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों को राहत देने के उद्देश्य से 36 जीवन रक्षक दवाइयों को बुनियादी सीमा शुल्क में पूरी तरह से छूट दी गई है। कुछ अन्य जीवनरक्षक दवाइयों को 5 फीसदी रियायती सीमा शुल्क की सूची में डाला गया है। इससे रोगियों को सस्ती दवाइयां उपलब्ध होंगी। अगले तीन सालों में देश के प्रत्येक जिले के अस्पतालों में डे-केयर सेंटर स्थापित होंगे। जाहिर है कि हिमाचल के भी सभी जिले चरणबद्ध तरीके से इससे लाभान्वित होंगे। ऑनलाइन कंपनियों में डिलीवरी के साथ जुड़े या अन्य अस्थायी कर्मचारी जिन्हें गिग वर्कर्स कहा जाता है, को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत लाए जाने का प्रस्ताव है जो अत्यंत सुखद है। पर्यटन : केंद्रीय बजट में देश में 50 पर्यटक स्थलों को विकसित किया जा रहा है। इसमें राज्यों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। उड़ान योजना में देश में 120 नए गंतव्यों को कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए हेलिपैड या छोटे हवाई अड्डे बनाने का प्रावधान किया गया है। आशा की जानी चाहिए कि प्रदेश के तीर्थों, देवस्थलों के विकास व उनकी कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए केंद्र से उचित सहायता प्राप्त होगी। पहाड़ी क्षेत्रों में मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने का भी विचार है। हिमाचल का स्वच्छ पर्यावरण मेडिकल अर्थात हेल्थ पर्यटन के लिए बहुत ही अनुकूल है। केंद्रीय बजट मध्यम वर्ग को राहत देने वाला है।

आप का नजरीया

धार तेज है

शिमला में हेयर ड्रेसर ने अपने हुनर की धार को अपराध में लगा दिया। यह घिनौनी वारदात है जो बता रही है कि इनसानी गिले-शिकवे कितने घातक हो सकते हैं। कुछ दिन पहले एसडीएम मंडी को खनन माफिया के प्रहार से दो-चार होना पड़ा था। ऐसे में स्थितियों के भीतर कानून व्यवस्था का माहौल लाचार दिखाई देता है। इन सबके बीच हम राज्य को या तो राजनीतिक भंवर में देखते हैं या इसके दाग, उसके दागों से बेहतर साबित करने में लगे हैं। प्रदेश की प्रशंसा की धार भी तेज है और काम का सलीका भी तेज है। कहना न होगा कि प्रदेश में सबसे अधिक पुष्प हार यहां इस्तेमाल होते हैं, क्योंकि गर्दनें बताती हैं कि कितना वजन उठा सकती हैं, लेकिन समाज की गर्दनों पर चिट्टे की सवारी नजर नहीं आती। यहां अब एक खरीद-फरोख्त की धार है। एक अजीब नशे का उपभोक्तावाद है, जहां आने वाली पीढ़ी के खिलाफ माफिया की धार तेज है। कभी हिमाचल में जनता पैदल चलती थी। पत्थरों के रास्ते पर कोई प्याऊ मिल जाता था। इनसानी सफर में प्यास को बुझाने का सामाजिक दायित्व अंगीकार होता था। अब हम स्वीकार कर चुके हैं कि चिट्टा यूं ही आता रहेगा, इस रंग भरे समाज के सामने। हमारे सामने पूरी व्यवस्था एक ऐसी धारा है, जहां हर कोई अपनी धार तेज कर रहा है। कभी देखना जेसीबी की धार जिसने तमाम 'धारें' नोच लीं। पहाड़ को समतल बनाने की धार कितनी प्रभावशाली होगी और यही नहीं, अब तो नदियों की धारा को मोडने की धार भी हमने पैदा कर ली। गगल अभी एयरपोर्ट विस्तार में उजड़ा नहीं, लेकिन एक बाहरी संसार अपनी-अपनी धार में बसने लगा है। टीलों पर खड़े लोग खड्डों में जमीन टटोल रहे हैं, पानी को फांसी देने का मुकदमा नंगे पहाड़ की अदालत में। गगल-चैतड़ू मार्ग पर कुछ साल पहले बरसात की धार और धारा ने जिन खड्डों को समुद्र बनाया था, वहां कयामत को रोकने के लिए एक बस्ती बसाई जा रही है। खड्ड के उसूल और एनजीटी के कबूल से कहीं दूर अगर धार तेज है, तो चैतड़ू की इस कालोनी के लिए खड्ड से लड़ते पत्थरों की अनूठी किस्मत देख लीजिए। आश्चर्य यह कि पीने के पानी के लिए लड़ते लोग शिमला जिला के एसडीएस को अपनी धार बता रहे हैं। क्या वर्तमान सिस्टम के किसी अधिकारी में कोई धार बची रह सकती है। प्रदेश में ट्रैफिक जाम में कुम्हलाई व्यवस्था की धार क्यों नहीं हो सकती है। राज्य के बार्डर एरिया में घुसते नशे के व्यापार के खिलाफ कानून-व्यवस्था की धार क्यों नहीं हो सकती। धार शिक्षा के पाठ्यक्रम में, नवाचार के क्रम में और रोजगार के दम में क्यों नहीं हो सकती। हमने धार को गलत बना दिया, प्रदेश का प्रभाव और प्रभुत्व बना दिया। अगर पूरे प्रदेश के अतिक्रमण का हिसाब लगाएंगे तो मालूम हो जाएगा कि हर गांव से शहर तक, कूहल से नदी तक और कायदे से कानून तक कुछ धारदार लोग धड़ल्ले से कब्जा जमा रहे हैं। कब्जा जमाने वालों ने सरकारी नौकरी में आकर भी ट्रांसफर नीति को अपनी धार से बार-बार काट दिया। किसी सरकार में यह धार नहीं रही कि स्थानांतरण नियमों को पैना करे। अब तो राजनीति की धार भी कुंद है, क्योंकि न जाने कब कौन, सत्ता से विपक्ष और विपक्ष से सत्ता पक्ष हो जाए। अब धार नहीं राजनीति एक धारावाहिक है जहां चरित्र अपने लिए एपिसोड बना रहे हैं।

गुरदासपुर में पुलिस कर्मी के घर पर धमाका, बब्बर खालसा ने ली जिम्मेदारी

कांग्रेसी सांसद ने घटनास्थल की तस्वीरें की वायरल

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के सीमावर्ती जिला गुरदासपुर में बीती रात आतंकियों ने एक पुलिस कर्मी के घर को निशाना बनाकर धमाका किया है। पुलिस इस मामले में अधिकारित तौर पर कुछ नहीं बोल रही है लेकिन आतंकी संगठन बब्बर खालसा ने एक पोस्ट डालकर धमाके की जिम्मेदारी ली है। पंजाब में पुलिस थानों पर हो रहे हमलों व धमाकों की श्रृंखला में यह 12वां धमाका है। गुरदासपुर से कांग्रेसी सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने मंगलवार सुबह घटनास्थल का दौरा करके तस्वीरें भी वायरल कर दी हैं। जानकारी के अनुसार गुरदासपुर जिले के अंतर्गत आते डेराबाबा नानक विधानसभा हलके के गांव रायमल्ल में बीती रात जोरदार धमाका हुआ। यह धमाका पुलिस

कर्मी जतिंद्र सिंह के चाचा के घर पर हुआ। अपुष्ट सूत्रों के अनुसार बीती रात जतिंद्र सिंह को यहां आना था। गली से किसी ने ग्रेनेडनुमा कोई वस्तु फेंकी जो खिड़की तोड़ते हुए घर के भीतर गिरी और जोरदार धमाका हो गया। घटना की सूचना मिलते ही गुरदासपुर के एसएसपी सुहेल कासिम मीर मौके पर पहुंचे और एफएसएल की टीमों ने वहां से सैंपल भरे। एसएसपी के अनुसार यह लो इंटेंसिटी धमाका था। जिसकी जांच की जा रही है। इसमें कोई हताहत नहीं हुआ है। पुलिस अभी मामले की जांच कर ही रही थी कि बब्बर खालसा के आतंकी हैप्पी पासियां ने पोस्ट डालकर इसकी जिम्मेदारी ली। हैप्पी पासियां के अनुसार यह धमाका शेरा मान की मदद से अंजाम दिया गया है। पोस्ट में कहा गया है कि आज जो घटना गांव रायमल में जतिंदर पुलिस वाले के घर ग्रेनेड हमला हुआ है, उसकी जिम्मेदारी मैं, हैप्पी पासियां और भाई शेरा मान लेता है। धमाके की घटना के बाद पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम एवं सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा परिवार से मिलने पहुंचे। रंधावा ने धमाके वाले स्थान की तस्वीरें सोशल मीडिया एक्स पर साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान को लिखा कि अगर ये घटनाएं ना रुकी तो इसके जिम्मेदार वहीं होंगे। उन्होंने कहा कि कल रात मेरे विधानसभा क्षेत्र डेरा बाबा नानक के रायमल्ल गांव में मेरे साथी पुलिस अधिकारी के चाचा के घर पर ग्रेनेड हमला हुआ। इससे पहले कि आपका पुलिस प्रशासन इस विस्फोट को *टायर फटने या कंप्रेसर फटने* के झूठ में बदल दे, मैं इस खतरनाक विस्फोट की तस्वीरें साझा कर रहा हूं। सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार हो रहे विस्फोट और मुख्यमंत्री की लगातार चुप्पी से पंजाब में कानून व्यवस्था की स्थिति दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है।

राजीव जैन का कांग्रेस पर हमला भाजपा की जीत का दावा

सोनीपत (हिंस)। सोनीपत से भाजपा के मेयर प्रत्याशी एवं मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने मंगलवार को चुनावी सभाओं में कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव की तरह हरियाणा के निकाय चुनाव में भी कांग्रेस का सूपड़ा साफ होगा। कांग्रेस लगातार हार से जूझ रही है, जिससे प्रदेश के प्रभारी तक बदले जा चुके हैं और प्रदेश अध्यक्ष की भी छुट्टी होने की संभावना जताई जा रही है। राजीव जैन ने कहा कि कांग्रेस की हालत इतनी खराब है कि कई जगहों पर उन्हें उम्मीदवार तक नहीं मिले। उन्होंने गुड़मंडी, बड़ा हलवाई हट्टा, ओल्ड रोहतक रोड, जैन बाग कॉलोनी, चिल्ड्रन पार्क मॉडल टाउन सहित कई स्थानों पर जनसभाएं कीं, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उन्होंने वादा किया कि जनता के सहयोग से सोनीपत को स्वच्छ और सुंदर शहर बनाया जाएगा। भाजपा प्रत्याशी ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि जिसे अपने ही सेनापति पर भरोसा नहीं, उसका चुनाव में क्या हश्र होगा, यह स्पष्ट है। उन्होंने दावा किया कि निकाय चुनाव के बाद कांग्रेस फिर से ईवीएम का बहाना बनाएगी। राजीव जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की नीतियों पर जनता का पूरा भरोसा है। हरियाणा में भाजपा की जीत की हैट्रिक इसका प्रमाण है। निकाय चुनाव में भी भाजपा प्रत्याशी भारी बहुमत से जीत दर्ज करेंगे और ट्रिपल इंजन सरकार प्रदेश में समान विकास सुनिश्चित करेगी। इस अवसर पर पूर्व मंत्री कविता जैन, डॉक्टर ओमप्रकाश अत्रे, पवन गोयल सहित सैकड़ों गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी आज पेश करेंगी राजस्थान का बजट

जयपुर (हिंस)। उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी 19 फरवरी (बुधवार) को विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट पेश करेंगी। उप मुख्यमंत्री ने मंगलवार को राज्य के वर्ष 2025-26 के बजट को अंतिम रूप दिया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) अखिल अरोड़ा, प्रमुख शासन सचिव (बजट) देबाशीष पृष्टी, शासन सचिव (व्यय) नवीन जैन, शासन सचिव राजस्व) कुमारपाल गौतम, निदेशक (बजट) बृजेश किशोर शर्मा उपस्थित रहे।

भारत को 2047 तक जल सुरक्षित राष्ट्र बनाना हमारा विजन : सीआर पाटिल

सुरक्षित एवं समृद्ध भविष्य के लिए जल आत्मनिर्भरता बेहद महत्वपूर्ण : भजनलाल शर्मा

उदयपुर (हिंस)। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को जल सुरक्षित राष्ट्र बनाना हमारा विजन है। सरकार इसी लक्ष्य को केंद्र बिंदु में रखकर कदम बढ़ा रही है। यह बात उन्होंने मंगलवार को उदयपुर में शुरू हुई राज्य जल मंत्रियों के दो दिवसीय वाटर कांफ्रेंस के उद्घाटन समारोह में कही। भोपाल के बाद उदयपुर में देश भर के राज्य जल मंत्रियों का दूसरा अखिल भारतीय सम्मेलन हो रहा है। इस दौरान केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक देश को जल सुरक्षित राष्ट्र बनाने के विजन पर हम काम कर रहे हैं। पीएम मोदी ने स्वच्छता पर जोर दिया है तथा 12 करोड़ शौचालय बनवाए हैं। इससे 60 करोड़ लोग लाभान्वित हुए, साथ ही डायरिया जैसी गंभीर बीमारियों में उल्लेखनीय कमी आई है। जल जीवन मिशन के तहत अब देश के 15 करोड़ घरों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है। पानी की शुद्धता को जांचने के लिए 25 लाख महिलाओं को किट एवं प्रशिक्षण दिया गया है। इसी तरह, वर्षा जल संग्रहण के लिए कैच द रैन का अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत कर्म भूमि से मातृभूमि अभियान के माध्यम से प्रवासी अपने गांवों में भूजल पुनर्भरण के लिए रिचार्ज वैल बनाने में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने

कहा कि रामजल सेतु परियोजना (पीकेसी लिंक परियोजना) के तहत राजस्थान को ज्यादा पानी मिलेगा। परियोजना के तहत आने वाले समय में राजस्थान को बड़ी मात्रा में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। यमुना जल समझौते के तहत भी राजस्थान तथा हरियाणा राज्यों के त्वरित निर्णय से यमुना का सरप्लस वाटर राजस्थान में आना संभव हो पाएगा। उन्होंने आह्वान किया कि हम सभी को 2047 तक देश को जल सुरक्षित राष्ट्र बनाने, हर घर में स्वच्छ जल पहुंचाने, किसानों को जल संकट से मुक्ति, नदी-जलाशयों को पुनर्जीवित करने का संकल्प लेना चाहिए।

संवेदनशीलता से संचालित हो रहीं जनकल्याणकारी योजनाएं : पवार

बीकानेर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में समाज के जरूरतमंद वर्गों को सामाजिक सुरक्षा व आर्थिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। राज्य सरकार के सतत प्रयासों से इन वर्गों के जीवन में सुधार परिलक्षित हो रहा है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत वृद्धजनों, विधवाओं व विशेष योग्यजनों को पेंशन के रूप में सम्बल दिया जा रहा है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक एलडी पवार ने बताया कि बीकानेर जिले में मुख्यमंत्री एकल नारी सम्मान पेंशन योजना से 42 हजार 753, मुख्यमंत्री वृद्धजन सम्मान पेंशन योजना से 1 लाख 54 हजार 937, मुख्यमंत्री विशेष योग्यजन सम्मान पेंशन योजना से 16 हजार 39 लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। इसी कड़ी में राज्य सरकार द्वारा अनाथ एवं देखरेख और संरक्षण की श्रेणी में आने वाले बालक व बालिकाओं के पालन पोषण के लिए पालनहार योजना के अंतर्गत प्रति माह आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। जिले में पालनहार योजना के तहत 12 हजार 867 बच्चों को लाभान्वित किया जा रहा है।

सरकारी स्कूल में खेलते-खेलते टैंक में गिरीं तीन छात्राओं की मौत

बीकानेर (हिंस)। नोखा इलाके के एक सरकारी स्कूल में दर्दनाक हादसा हुआ, जहां खेलते-खेलते तीन छात्राएं पानी के टैंक (टांका) में गिर गईं। आसपास खेल रहे बच्चों ने तुरंत शिक्षकों को सूचित किया। लगभग आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें बाहर निकाला गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। यह हादसा नोखा क्षेत्र के देवानाडा स्थित (केडली गांव) राजकीय प्राथमिक विद्यालय में मंगलवार सुबह हुआ। खेल के दौरान प्रज्ञा (8) पुत्री रेखाराम जाट, भारती पुत्री ओमाराम जाट और रवीना पुत्री बागाराम स्कूल परिसर में स्थित पानी के टैंक के ऊपर चली गईं। अचानक टैंक की जर्जर पट्टियां टूट गईं और तीनों बच्चियां आठ फीट गहरे टैंक में गिर गईं, जिसमें लगभग 15 फीट तक पानी भरा हुआ था। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। तुरंत ट्रैक्टर बुलाकर मोटर की सहायता से टैंक से पानी बाहर निकाला गया। इसके बाद सीढ़ी लगाकर तीन ग्रामीण टैंक में उतरे और आधे घंटे की कड़ी मेहनत के बाद छात्राओं को बाहर निकाला, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। विद्यालय की प्रधानाचार्य संतोष ने 18 दिसंबर 2024 को ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को जर्जर पानी के टैंक की स्थिति के बारे में सूचित किया था। रिपोर्ट में बताया गया था कि स्कूल परिसर में बना यह टैंक जमीन में पांच इंच तक धंस चुका था और किसी भी समय गिर सकता था, जिससे गंभीर हादसे की आशंका थी। इसके बावजूद मरम्मत नहीं कराई गई। यह टैंक करीब 23 साल पुराना था और ऊपर से केवल पट्टियों से ढंका हुआ था। हादसे की सूचना पर उपखंड अधिकारी गोपाल जांगिड़ और थानाधिकारी अमित स्वामी अस्पताल पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। इस दर्दनाक घटना ने स्कूल प्रशासन और संबंधित अधिकारियों की लापरवाही को उजागर कर दिया है।

ट्रक से टकराकर बस नाले में गिरी पांच की मौत व 21 घायल

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के फरीदकोट जिले में ट्रक से टकराने के बाद एक बस बरसाती नाले में गिर गई। इस दुर्घटना में पांच यात्रियों की मौत हो गई और 21 अन्य यात्री घायल हुए हैं। घायलों में दो की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें अमृतसर के लिए रैफर किया गया है। अन्य घायलों का फरीदकोट में इलाज चल रहा है। बताया गया कि मंगलवार की सुबह न्यू दीप ट्रांसपोर्ट कंपनी की बस फरीदकोट से अमृतसर से जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस सवारियों से भरी थी। हलका कोहरा व स्पीड होने के कारण बस सामने से आ रही ट्रक से टकरा गई और अनियंत्रित होकर बस पुल की रेलिंग को तोड़ कर नाले में जा गिरी। बस के गिरते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और लोग मदद के लिए चिल्लाने लगे। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचित किया और अपने स्तर पर राहत कार्य शुरू किए। घटना में पांच लोगों की मौत हो गई और 21 लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही जिला उपायुक्त विनीत कुमार और एसएसपी प्रज्ञा जैन मौके पर पहुंचे। एसएसपी प्रज्ञा जैन ने बताया कि हादसे की वजह अभी तक साफ नहीं है। पुल का काम अंडर कंस्ट्रक्शन था। हमारी पहली कोशिश लोगों की जान बचाने की है।

मैट्रिक की परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक करने के आरोप में पांच वीडियोग्राफर पकड़े गए

फारबिसगंज/अररिया (हिंस)। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित वार्षिक माध्यमिक परीक्षा (मैट्रिक परीक्षा) के पहले दिन ही दूसरी पाली में प्रश्नपत्र लीक करने के आरोप में 5 वीडियोग्राफर पकड़े गए है। बताया जा रहा है की परीक्षा की निगरानी के लिए तैनात पांच वीडियोग्राफरों को प्रश्नपत्र लीक करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। दंडाधिकारी ने जब इनकी गतिविधियों पर शक किया, तो उन्होंने जांच शुरू की। जांच में पता चला कि ये ये वीडियोग्राफर परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्र की तस्वीरें खींचकर मोबाइल के जरिए दूसरे परीक्षा केंद्रों पर भेज रहे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार गिरफ्तार किए गए सभी वीडियोग्राफरों के रिश्तेदार उसी परीक्षा केंद्र में परीक्षा दे रहे थे। इससे आशंका जताई जा रही है कि ये वीडियोग्राफर अपने रिश्तेदारों को परीक्षा में मदद पहुंचाने के लिए प्रश्नपत्र लीक कर रहे थे। बोर्ड के द्वारा सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे और वीडियोग्राफी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए थे और वही, कहां गया था की जिन केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे थे, वहां वीडियोग्राफी की व्यवस्था किया गया था। आदेश था की इन वीडियोग्राफरों को परीक्षा की वीडियो रिकॉर्डिंग करके जिला प्रशासन के कंट्रोल रूम में भेजने की। लेकिन इन वीडियोग्राफरों ने वीडियो फुटेज अपने मोबाइल में कॉपी करके कंट्रोल रूम के साथ-साथ दूसरे परीक्षा केंद्रों पर भी भेज रहे थे। इसके बाद उन्हें तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया और पुलिस के हवाले कर दिया गया। गिरफ्तार वीडियोग्राफरों को अनुमंडल कार्यालय लाया गया। जहां अनुमंडल पदाधिकारी-अनुमंडल पुलिस अधिकारी और थानाध्यक्ष ने उनसे कड़ी से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार वीडियोग्राफरों ने स्वीकार किया कि उनके रिश्तेदार उसी परीक्षा केंद्र में परीक्षा दे रहे थे।

पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ में चार बदमाशों को पकड़ने में पुलिस ने सफलता पाई

पटना (हिंस)। राजधानी पटना में मंगलवार दोपहर पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ में चार बदमाशों को पकड़ने में पुलिस ने सफलता पाई है। वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अवकाश कुमार ने बताया शुरूआती जानकारी के अनुसार यह मामला जमीनी विवाद से जुड़ा है। यहां पुलिस के पहुंचने पर अपराधियों की ओर से चार राउंड फायरिंग की गई। इसके बाद पुलिस ने जब जवाबी कार्रवाई शुरू की तो सभी अपराधी बिल्डिंग में छिप गए। एसएसपी अवकाश कुमार ने कहा कि पटना के कंकड़बाग थाना क्षेत्र के राम लखन पथ पर फायरिंग और उसके बाद अपराधियों के एक घर में घुस जाने के बाद पुलिस ने उस मकान को चारों तरह से घेर लिया। बाद में अपराधियों की धरपकड़ के

लिए एसटीएफ की टीम को भी बुलाया गया। अत्याधुनिक हथियारों से लैस एसटीएफ के जवानों ने मकान में छिपे अपराधियों को पकड़ने का अभियान चलाया। एसएसपी अवकाश कुमार ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज भी खंगाला जा रहा है। मुठभेड़ की घटना दोपहर करीब ढाई बजे के आसपास प्रकाश में आई। उसके बाद पहले दो थानों की पुलिस, फिर चार थानों की पुलिस और उसके बाद कई अन्य थानों की पुलिस को घटना स्थल पर बुलाया गया। पटना एसएसपी ने खुद पहुंचकर ऑपरेशन सरेंडर का नेतृत्व करना शुरू किया। एसएसपी ने कहा कि जिस मकान में अपराधी छिपे हुए हैं वह उपेंद्र सिंह नाम के शख्स का है। अपराधियों को सरेंडर करने के लिए पुलिस की ओर से माइकिंग भी की गई। उन्होंने बताया कि चुकी जिस मकान में अपराधी छिपे थे वहां आम नागरिक भी बड़ी संख्या में थे इसलिए अपराधियों को दबोचने के लिए पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर ली। बाद में चार अपराधियों को पकड़ने में सफलता मिली। उल्लेखनीय है कि अपराधियों को सरेंडर कराने के अभियान में पुलिस और एसटीएफ के जवानों के साथ ही ब्लैक वर्दीधारी कमांडों को भी मोर्चा पर लगाया गया। पटना में इस तरह से अपराधियों को सरेंडर कराने का अभियान लम्बे अरसे बाद देखने को मिला है।

कांग्रेस नेता उदित राज के बयान पर मायावती सहित बसपा कार्यकर्ताओं ने की निंदा

लखनऊ (हिंस)। लखनऊ में एक पत्रकार वार्ता में कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद उदित राज ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती पर विवादित बयान देते हुए कहा कि मायावती का गला घोंटने का समय आ गया है। उदित राज के बयान के बाद बसपा की अध्यक्ष मायावती सहित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उदित के बयान की कड़े शब्दों में निंदा की। उदित राज के बयान के बाद लखनऊ सहित उत्तर प्रदेश के महानगरों वाराणसी, कानपुर, गाजियाबाद, आगरा सहित कई स्थानों पर बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ता सड़क पर उतर आए। उन्होंने उदित राज के विरुद्ध प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी की। बसपा कार्यकर्ताओं ने लखनऊ के

हजरतगंज में प्रदर्शन के दौरान कहा कि उदित राज ने अमर्यादित बयान दिया है। उदित राज को उनके बयान के लिए एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार किया जाए। बसपा की अध्यक्ष मायावती के भतीजे और पार्टी के नेशनल को-आर्डिनेटर आकाश आनन्द ने उदित राज के बयान की निंदा की है। कहा कि बुआ मायावती के खिलाफ कांग्रेस नेता उदित राज की विवादित टिप्पणी से बसपा कार्यकर्ताओं में बेहद आक्रोश है। लखनऊ पुलिस उदित राज के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे गिरफ्तार नहीं करती है तो बसपा बड़ा प्रदर्शन करेगी।

भारतीय ज्ञान परंपरा हजारों वर्ष पुरानी : महापौर गिरीशपति

अयोध्या (हिंस)। रिलिवेंस आफ इंडियन नालेज सिस्टम इन बिजनेस विषय पर डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग में पीएम उषा के साफ्ट कंपोनेण्ट योजनान्तर्गत मंगलवार को साप्ताहिक कार्यशाला आरंभ हुई। मुख्य अतिथि नगर निगम महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी व नाका हनुमानगढ़ी मंदिर के महंत रामदास ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला की शुरुआत की। कार्यशाला को संबोधित करते हुए महापौर ने कहा कि प्रारंभिक ज्ञान अनुभूति से आता है। ऋषियों-मुनियों ने वेद, उपनिषद और पुराणों में भारतीय ज्ञान को संरक्षित-संयोजित किया। भारतीय ज्ञान परंपरा हजारों वर्ष पुरानी है, जिसमें ऋषियों-मुनियों ने अपनी तपस्या से इस ज्ञान को संयोजित किया। उन्होंने कहा कि किसी समय अयोध्या प्रमुख व्यापारिक केंद्र के रूप में प्रतिष्ठित थी, लेकिन नवाबकाल में जब अवध की राजधानी अयोध्या से लखनऊ बनी तब से अयोध्या का दुर्भाग्य आरंभ हुआ। सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक रूप से अयोध्या को क्षति झेलनी पड़ी। मोदी-योगी के समय में अयोध्या का गौरव गौरव पुनर्प्रतिष्ठित हुआ।

अब अयोध्या अवसरों से भरी है। विशिष्ट अतिथि महंत रामदास ने कहा कि सबसे बड़े शोधार्थी हनुमानजी थे। अपने ज्ञान से वह बचपन में ही सूर्य तक पहुंच गए, जबकि वर्तमान समय में अंतरिक्ष एजेंसियां मुश्किल से चांद पर पहुंच पाती है। उन्होंने कहा कि सिर्फ नौकरी से काम नहीं चलेगा। अब व्यवसाय के अनेक अवसर है, लेकिन सर्वे भवंतु सुखिनरू के भाव से। उन्होंने कहा कि धन कमाने का उद्देश्य अवश्य रखें, लेकिन इतना भी संचय नहीं करें कि अगली पीढ़ी कोई काम नहीं करे। इससे पहले विभागाध्यक्ष प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने विषय प्रवर्तन किया। कहा कि भारतीय परंपरा में प्रत्येक कार्य की अपनी महत्ता है। सुबह उठते हैं तो पृथ्वी का पूजन, भोजन का पूजन आदि का विधान है। प्रो. शैलेंद्र वर्मा ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा अद्भुत है।

जल जमाव से आक्रोशित ग्रामीणों ने किया एनएच जाम

पूर्वी चंपारण (हिंस)। जिले के पीपराकोठी एनएच पर वर्षों से जल जमाव की समस्या के त्रस्त ग्रामीणों ने मंगलवार को एनएच जाम कर रोष व्यक्त किया। जल निकासी को लेकर बरकुरवा के ग्रामीणों ने बताया कि कई बार एनएचआई के पदाधिकारियों व सरकार के अधिकारियो पत्र भेज चुके हैं। लेकिन सामाधान नही मिला। जिस कारण मजबूर होकर ग्रामीण नवोदय स्कूल के समीप एनएच को जाम किया गया। जाम के कारण मोतिहारी से गोपालगंज व मुजफ्फरपुर की ओर जाने वाली सड़क पर आवागमन करीब एक घंटे तक बाधित रहा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बरकुरवा के समीप एनएच पर सालोभर गांवों से निकलने वाली पानी लगा रहता है। यह समस्या एनएचआई का नाला जाम होने के कारण कई वर्षों है। जल जमाव के

कारण महामारी फैलने और प्रतिदिन वाहनों के गिरने की बात भी ग्रामीणों ने बताया। ग्रामीणो ने बताया कि मामले को लेकर पटना से दिल्ली तक सभी संबंधित कार्यालयों में आवेदन भेजा जा चुका है। लेकिन सभी ने समस्या की उपेक्षा की। बताया कि गर्मी आरंभ होते ही समस्या और कठिन हो जाती है। एनएचआई द्वारा वर्षों बाद भी समस्या का समाधान नहीं कराया जा सका। वही जाम की सूचना पर मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष खालिद अख्तर, मुखिया हेमंत कुमार सहित अन्य के समझाने के बाद जाम हटा। मामले को लेकर एनएचआई के प्रोजेक्ट हेड वरुण कुमार मिश्रा ने बताया कि नाले की उड़ाही की गई है। और स्थायी समाधान तक टैंकर से जलजमाव स्थल से जल उठाव होता रहेगा।

सर्राफा बाजार में उछला सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। हालांकि चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने 520 रुपये से लेकर 570 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 86,630 रुपये से लेकर 86,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 79,410 रुपये से लेकर 79,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 1,00,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 86,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,560 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 86,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 86,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 86,630 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 86,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 86,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 79,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 86,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 86,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 86,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 79,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप के टैरिफ अटके से भारतीय बाजार पर क्या होगा असर....

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंध समय के हिसाब से लगातार बदल रहे हैं। दोनों ही देशों की टैरिफ स्ट्रक्चर, ट्रेड पॉलिसियां और आर्थिक फैसले समय के साथ बदलते रहे हैं। हाल ही में, अमेरिका ने फेयर एंड रेसिक्रोपाल योजना नाम की एक नई पॉलिसी पेश की है, इसका मकसद इंटरनेशनल ट्रेड में हो रहे घाटे को सुंतलित करना है। इसका मतलब है कि अमेरिका दूसरे देशों से आने वाले सामानों पर ज्यादा टैरिफ (आयात शुल्क) लगा सकता है। हालांकि, एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट बताती है कि इस टैरिफ वृद्धि का भारत पर ज्यादा असर नहीं होगा। इसकी वजह हैं कि भारत ने अपने निर्यात को कई देशों में फैला लिया है और नए बाजार तैयार कर लिए है। इससे व्यापार में गिरावट के नुकसान की भरपाई की जा सकती है। इसके अलावा, भारत और अमेरिका के बीच डिफेंस, एनर्जी और तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ रहा है। यह दोनों देशों के आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को और मजबूत बनाएगा। पिछले कुछ वर्षों में भारत और अमेरिका दोनों ने अपने आयात-निर्यात शुल्क (टैरिफ) में बदलाव किए हैं। हालांकि, आंकड़ों साफ होता है कि अमेरिका ने भारत से आने वाले सामानों पर टैरिफ बढ़ाया है, जो 2018 में 2.72 प्रतिशत था और 2021 में बढ़कर 3.91 प्रतिशत हो गया। 2022 में यह थोड़ा घटकर 3.83 प्रतिशत तक पहुंच गया। वहीं, दूसरी ओर भारत ने अमेरिका से आने वाले सामानों पर टैरिफ ज्यादा बढ़ाया है। 2018 में यह 11.59 प्रतिशत था, जो 2022 में बढ़कर 15.30 प्रतिशत तक पहुंच गया। इससे साफ है कि भारत ने अमेरिका की तुलना में टैरिफ में ज्यादा बदलाव किए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अगर अमेरिका भारतीय सामान पर 15-20 प्रतिशत तक टैरिफ बढ़ाता है, तब भी इसका भारत के कुल निर्यात पर केवल 3-3.5 प्रतिशत तक असर पड़ेगा। इसका कारण यह है कि भारत ने अपनी व्यापार रणनीति को मजबूत और लचीला कर दिया है।

एमजी हेक्टर की मेंटेनेंस कॉस्ट है बेहद कम

नईदिल्ली। भारतीय एसयूवी सेगमेंट में एमजी हेक्टर ने अपनी अलग पहचान बनाई है। खास बात यह है

कि इसका मेंटेनेंस कॉस्ट बेहद कम है, जो सिर्फ रुपए 500 प्रति माह आता है। इतने कम खर्च में इतनी एडवांस एसयूवी मिलना इसे एक स्मार्ट इन्वेस्टमेंट बनाता है। एमजी हेक्टर में 14-इंच का बेस्ट-इन-क्लास एचडी टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट डिस्प्ले दिया गया है, जो बेहतरीन विजुअल एक्सपीरियंस देता है। इसमें 75 से अधिक कनेक्टेड कार फंक्शनलिटीज मिलती हैं, जो इसे स्मार्ट और एडवांस्ड बनाती हैं। सेफ्टी के लिए अडास लेवल 2 (एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम) दिया गया है, जिससे ड्राइविंग और भी सुरक्षित और आरामदायक हो जाती है। इस एसयूवी को 5, 6 और 7-सीटर कॉन्फ़िगरेशन में पेश किया गया है, जिससे ग्राहक अपनी जरूरत के अनुसार मॉडल चुन सकते हैं। एमजी हेक्टर की शुरुआती कीमत रुपए 13.99 लाख (एक्स-शोरूम) रखी गई है, जो इसे अपने सेगमेंट में एक किफायती और प्रीमियम एसयूवी बनाती है। यह गाड़ी उन लोगों के लिए परफेक्ट है, जो स्टाइलिश और टेक्नोलॉजी-फ्रेंडली कार की तलाश में हैं। इसे भारत की पहली इंटरनेट एसयूवी भी कहा जाता है, जिसे 2019 में लॉन्च किया गया था। तब से लेकर अब तक यह भारतीय ग्राहकों के बीच बेहद लोकप्रिय बनी हुई है।

बैंक डूबा तो भी सुरक्षित रहेगा आपका पैसा, सरकार बढ़ा सकती है डिपॉजिट इंश्योरेंस लिमिट

नई दिल्ली। सरकार जल्द ही बैंक डिपॉजिट इंश्योरेंस की सीमा बढ़ा सकती है। अभी यह सीमा 5 लाख रुपये

है, लेकिन इसे और बढ़ाने पर गंभीरता से विचार हो रहा है। यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मुंबई स्थित न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। आरबीआई ने बैंक के खराब प्रबंधन का हवाला देते हुए इसके निदेशक मंडल को 12 महीनों के लिए बर्खास्त कर दिया और कई वित्तीय प्रतिबंध लगाए। अगर सरकार बीमा कवर की सीमा बढ़ाने का फैसला लेती है, तो इससे करोड़ों बैंक ग्राहकों को राहत मिलेगी। अब सभी की नजरें सरकार के आधिकारिक ऐलान पर टिकी हैं। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नगराजू ने भी कहा कि डिपॉजिट इंश्योरेंस की सीमा बढाने पर विचार किया जा रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की मौजूदगी में उन्होंने कहा कि जमा बीमा सीमा बढ़ाने का मुद्दा हमारे विचाराधीन है।

साल 2025 तक इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री दोगुनी होने की उम्मीद

नई दिल्ली

भारत में साल 2025 तक इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री दोगुनी होने की उम्मीद जताई जा रही है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में देश में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री 19.93 प्रतिशत बढ़कर 99,165 यूनिट्स तक पहुंच गई, जो 2023 में 82,688 यूनिट्स थी।

इस सेगमेंट में टाटा मोटर्स का दबदबा बरकरार है, हालांकि इसकी बाजार हिस्सेदारी 2023 के 72.68 प्रतिशत से घटकर 2024 में 62.01 प्रतिशत रह गई। 2024 में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री अपेक्षाकृत कम रहने का एक मुख्य कारण सीमित मॉडल उपलब्धता थी। हालांकि, टाटा मोटर्स ने टियागो ईवी, टिगोर ईवी, पंच ईवी, नेक्सन ईवी और कर्व ईवी जैसे कई मॉडल लॉन्च किए। वहीं, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने कॉमेट, विंडसर और जेडएस जैसे मॉडल पेश किए। अब मारुति सुजुकी और हुंडई भी इस सेगमेंट में अपने नए इलेक्ट्रिक मॉडल लाने की तैयारी में हैं। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की लागत का बड़ा हिस्सा बैटरी पर निर्भर करता है, जिसकी कुल कीमत में हिस्सेदारी 35-40 प्रतिशत तक होती है। इस लागत को कम करने और देश में ईवी उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने महत्वपूर्ण मिनरल्स और उनके उत्पादन में उपयोग होने वाले उपकरणों पर बेसिक कस्टम ड्यूटी को हटाने का फैसला किया है। इसके चलते लिथियम-आयन बैटरी के स्थानीय उत्पादन में तेजी आने की उम्मीद है। इन्फ्रास्ट्रक्चर सुधार और बढ़ती उपभोक्ता मांग के चलते 2025 में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री में तेज उछाल देखने को मिल सकता है, जिससे भारत में ईवी क्रांति को और मजबूती मिलेगी।

मालूम हो कि भारत समेत दुनिया भर में इलेक्ट्रिक कारों की मांग तेजी से बढ़ रही है। हालांकि, भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों का बाजार अभी शुरुआती दौर में है। लोकप्रियता और सेगमेंट में बढ़ते विकल्पों के बावजूद, फिलहाल इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री का बाजार हिस्सा केवल 3 प्रतिशत के आसपास बना हुआ है। विभिन्न ऑटो कंपनियां लगातार नए इलेक्ट्रिक मॉडल लॉन्च कर रही हैं, साथ ही पुरानी लोकप्रिय कारों को भी इलेक्ट्रिक पावरट्रेन के साथ दोबारा पेश किया जा रहा है। चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने के लिए सरकार और निजी कंपनियां मिलकर बड़े पैमाने पर निवेश कर रही हैं।

हुंडई मोटर ने एक्सपोर्ट में 25 वर्षों का सफर किया पूरा

नई दिल्ली। एक्सपोर्ट में हुंडई मोटर इंडिया ने 25 वर्षों का सफर पूरा कर लिया है। कंपनी वर्तमान में 60 से अधिक देशों में भारतीय कारों की आपूर्ति कर रही है, जिससे यह देश का सबसे बड़ा यात्री वाहन निर्यातक बन गया है। 1999 में भारत से निर्यात शुरू करने वाली हुंडई अब तक 37 लाख से अधिक यूनिट्स दुनिया के विभिन्न देशों में भेज चुकी है। हुंडई ने 150 से अधिक देशों में भारतीय निर्माण की गई कारें भेजी हैं, जिनमें अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और एशिया के प्रमुख बाजार शामिल हैं। अकेले अफ्रीका में कंपनी ने 10 लाख यूनिट्स एक्सपोर्ट की हैं। 2024 में हुंडई ने दक्षिण अफ्रीका में एक्सटर की शिपिंग शुरू की, जो वहां के लिए भारत में निर्मित आठवां मॉडल है। हुंडई के प्रमुख एक्सपोर्ट मॉडलों में आई10, एक्सटर, वरना, क्रेटा और अल्काज़ार शामिल हैं।

महिंद्रा की इलेक्ट्रिक एसयूवी को मिल रहा जबरदस्त रिस्पॉन्स

नई दिल्ली। हाल ही में महिंद्रा की लॉन्च हुई इलेक्ट्रिक एसयूवी एक्सईवी 9ई और बीई 6 को ग्राहकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। पहले ही दिन बुकिंग प्रारंभ होते ही दोनों मॉडलों की 30,179 यूनिट्स की बुकिंग दर्ज की गई, जिससे कंपनी को 8,472 करोड़ रुपये की कमाई हुई। यह भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग को दर्शाता है। महिंद्रा की रिपोर्ट के मुताबिक, 79 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक वाले टॉप-एंड वेरिएंट्स की कुल बुकिंग में 73 प्रतिशत हिस्सेदारी रही। एक्सईवी 9ई और बीई 6 के बीच बुकिंग डिवीजन क्रमशः 56 प्रतिशत और 44प्रतिशत रहा। कंपनी के अनुसार, यह आंकड़ा दिखाता है कि भारतीय ग्राहक अब प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी में दिलचस्पी ले रहे हैं। गौरतलब है कि महिंद्रा ने इन दोनों एसयूवी को 26 नवंबर 2024 को शोकेस किया था। दमदार डिजाइन, आधुनिक फीचर्स और लंबी रेंज के चलते ये कारें ग्राहकों को लुभाने में सफल रही हैं। कंपनी का कहना है कि यह मेड-इन-इंडिया, फॉर-द-वर्ल्ड ईवी हैं, जो घरेलू बाजार के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बेची जाएंगी। 2024 में भारत में इलेक्ट्रिक कारों की कुल बिक्री करीब 1 लाख यूनिट्स रही थी।

जनवरी 2025 में भारत का स्मार्टफोन निर्यात 140प्रतिशत बढ़ा, 25,000 करोड़ रुपये की कमाई

नई दिल्ली

जनवरी 2025 में भारत का स्मार्टफोन निर्यात पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 140 प्रतिशत बढ़कर 25,000 करोड़ रुपये (3 बिलियन डॉलर) तक पहुंच गया। इस वृद्धि का मुख्य कारण एप्पल और सैमसंग जैसी प्रमुख कंपनियों का अपनी सप्लाई चेन से विदेशों में शिपमेंट बढ़ाना रहा।

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जनवरी अवधि में कुल स्मार्टफोन निर्यात 1.55 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 99,120 करोड़ रुपये से 56 प्रतिशत अधिक है।

तमिलनाडु स्थित फॉक्सकॉन की एप्पल आईफोन सप्लाई चेन ने कुल निर्यात में 70 प्रतिशत तक का योगदान दिया, जिससे विदेशी शिपमेंट में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई। फॉक्सकॉन फैक्ट्री से हुए निर्यात में बीते वित्त वर्ष की तुलना में 43 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, जिसने कर्नाटक में स्थित विस्ट्रॉन स्मार्टफोन निर्माण इकाई का अधिग्रहण किया, ने 22 प्रतिशत निर्यात में योगदान दिया।

वहीं, तमिलनाडु में पेगाट्रॉन फैसिलिटी से 12 प्रतिशत निर्यात हुआ, जिसमें टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने 60 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर ली। टाटा समूह अब देश में आईफोन निर्माण का प्रमुख केंद्र बन गया है।

सैमसंग ने भारत के कुल स्मार्टफोन निर्यात में 20 प्रतिशत का योगदान दिया। सरकार की उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना से भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र तेजी से बढ़ा है। आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि 2024-25 में स्मार्टफोन निर्यात 20 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

पीएलआई योजना के तहत दिसंबर 2024 तक 10,213 करोड़ रुपये का निवेश आया, जिससे 1.37 लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए। 2014-15 में मोबाइल आयात करने वाला भारत अब 99.2 प्रतिशत घरेलू उत्पादन के साथ मोबाइल निर्यातक देश बन गया है।

ऑस्ट्रेलिया के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दर घटाई

ऑस्ट्रेलिया के केंद्रीय बैंक ने मंगलवार को अक्टूबर, 2020 के बाद पहली बार अपनी प्रमुख ब्याज दर घटाई है। रिजर्व बैंक ऑफ ऑस्ट्रेलिया ने वर्ष की अपनी पहली बोर्ड बैठक में नकद दर को एक चौथाई प्रतिशत अंक घटाकर 4.35 प्रतिशत से 4.1 प्रतिशत कर दिया। दिसंबर तिमाही में मुद्रास्फीति सिर्फ 0.2 प्रतिशत और वित्तीय वर्ष 2024 के लिए 2.4 प्रतिशत बढ़ने के बाद कटौती का अनुमान लगाया गया था। दो साल पहले वार्षिक मुद्रास्फीति 7.8 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर थी। बैंक मुद्रास्फीति को दो प्रतिशत से तीन प्रतिशत के बीच के लक्ष्य दायरे में रखने के लिए ब्याज दरों में हेरफेर करता है। दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया में बेरोजगारी दर चार प्रतिशत के रिकॉर्ड निम्न स्तर पर रही, जो नवंबर में 3.9 प्रतिशत थी। दर में यह बदलाव प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज की वामपंथी लेबर पार्टी सरकार के लिए एक स्वागत योग्य घटनाक्रम है, जो 17 मई को होने वाले चुनाव मैदान में उतरेगी।

जनवरी में भारत का व्यापार घाटा 22.99 अरब डॉलर भारत ने जितना निर्यात किया, उससे अधिक आयात किया

नई दिल्ली

भारत के व्यापार में दिसंबर की तुलना में जनवरी में 22.99 अरब डॉलर का घाटा दर्ज किया गया है। इसका मतलब है कि भारत ने जितना निर्यात किया, उससे अधिक आयात किया। यह स्थिति रुपये पर दबाव डाल सकती है और महंगाई बढ़ने की आशंका है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान भारत ने अमेरिका से विभिन्न उत्पादों की खरीदारी का वादा किया है, जिससे आयात में वृद्धि की संभावना है। व्यापारिक संतुलन के लिए चिंता भारत की तरफ से गहरी है, जैसा कि अमेरिका ने टैरिफ दरों में बदलाव की चेतावनी दी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस धमकी से भारत के साथ व्यापार संबंधों का माहौल बनता नजर आ रहा है। इसके बावजूद, देश विभिन्न सामानों के निर्यात में कदम बढ़ा रहा है, जो व्यापार घाटे में सुधार का संकेत हो सकता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, इस स्थिति में भारत की सरकार दवाओं, इलेक्ट्रॉनिक्स और चावल जैसे क्षेत्रों के निर्यात को बढ़ाने की कड़ी कामना कर रही है। इसके साथ ही, अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौते के मामले में बातचीत की पहली किस्त आगे बढ़ाने के लिए कदम उठाना जरूरी हो सकता है।

यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि दोनों देशों के बीच व्यापारी संबंध आगे बढ़ें और विभिन्न उत्पादों के निर्यात में वृद्धि हो। इस तरह की सकारात्मक कदम लेकर भारत अपने व्यापारिक संबंधों में सुधार कर सकता है और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मददगार साबित हो सकता है। जनवरी में भारत का निर्यात 36.43 अरब डॉलर रहा, जो दिसंबर 2024 में 38.01 अरब डॉलर था।

वहीं, आयात 59.42 अरब डॉलर दर्ज किया गया, जो पिछले महीने के 59.95 अरब डॉलर के लगभग बराबर है। विशेषज्ञों के अनुसार, व्यापार घाटे का यह आंकड़ा अपेक्षित था और यह 22.35 अरब डॉलर के अनुमान के करीब है। भारत सरकार इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाओं और चावल के निर्यात को प्रोत्साहित करने पर विशेष ध्यान दे रही है।

इस बीच, अमेरिका ने भारत के साथ व्यापारिक संतुलन बनाने के लिए कड़े कदम उठाने की चेतावनी दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह उन देशों पर प्रतिशोधी टैरिफ (रेसिप्रोकल टैरिफ) लगाएंगे, जो अमेरिकी उत्पादों पर अधिक कर लगाते हैं।

भारत पर भी यह नियम लागू हो सकता है, क्योंकि यहां टैरिफ दरें दुनिया में सबसे अधिक मानी जाती हैं। वर्तमान में अमेरिका का भारत के साथ 45.6 अरब डॉलर का व्यापार घाटा है।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत, एशियाई बाजारों में भी खरीदारी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिका में सोमवार को प्रेसिडेंट डे होने की वजह से अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बंद रहे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स 0.07 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजार कल रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने में सफल रहे। एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। खरीदारी के सपोर्ट से यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.41 प्रतिशत उछल कर 8,768.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,189.13 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 284.67 अंक यानी 1.25 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,798.09 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का रुख है। एशिया के 9 बाजारों में से 8 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि सिर्फ एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजारों में इकलौता गिफ्ट निफ्टी 0.25 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,952 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 264.43 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की मजबूती के साथ 39,438.68 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.21 प्रतिशत उछल कर 3,913.05 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स में जोरदार तेजी नजर आ रही है। फिलहाल ये सूचकांक 447.70 अंक यानी 1.98 प्रतिशत उछल कर 23,063.93 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.86 प्रतिशत की छलांग लगा कर 6,889.68 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

एलन मस्क ने खुद का एआई चैटबॉट जीआरओके-3 लॉन्च किया

वॉशिंगटन। दुनिया के सबसे रईस व्यक्ति एलन मस्क ने अब एआई की रेस में भी कदम रख दिया है। हाल ही में एलन मस्क ने एआई प्लेटफॉर्म जेटजीपीटी को खरीदने के लिए बोली लगाई थी लेकिन अब एलन मस्क ने खुद का एआई चैटबॉट जीआरओके-3 लॉन्च कर दिया है। एलन मस्क के जीआरओके-3 का सीधा मुकाबला चीन के डीपसीक और ओपनएआई के चेटजीपीटी से होने वाला है। एलन मस्क ने हाल ही में एक्स पर पोस्ट करते हुए जीआरओके-3 के लॉन्च होने की घोषणा की थी, जिसके बाद अब एलन मस्क द्वारा नया एआई चैटबॉट जीआरओके-3 लॉन्च कर दिया गया है। एआई चैटबॉट जीआरओके-3 का इस्तेमाल पहले केवल एक्स के प्रीमियम यूजर्स कर पाएंगे। इसके लिए यूजर्स को एक्स को अपडेट करना होगा. इसके अलावा एआई चैटबॉट जीआरओके-3 के इस्तेमाल के लिए अलग से सब्सक्रिप्शन लॉन्च भी किए जाएंगे।

मिताली राज ने आरसीबी की धमाकेदार जीत को सराहा कहा–पहले ओवर से ही खेल पर कर लिया था नियंत्रण

नई दिल्ली

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने वडोदरा में खेले गए महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को आठ विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस जीत में रेणुका सिंह, जॉर्जिया वेयरहम और कप्तान स्मृति मंधाना के बेहतरीन प्रदर्शन ने अहम भूमिका निभाई।

पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज ने आरसीबी के इस प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि टीम ने पहले ओवर से ही खेल पर पकड़ बना ली थी। जियो हॉटस्टार पर मिताली ने कहा, जब रेणुका सिंह ने पहले ही ओवर में शैफाली वर्मा को आउट किया, तभी से आरसीबी ने खेल पर नियंत्रण कर लिया। स्मृति मंधाना ने बेहतरीन कप्तानी की और उनके गेंदबाजी बदलावों का असर साफ दिखा। उनकी पारी ने टीम को मजबूत शुरुआत दी।

आरसीबी की दमदार गेंदबाजी, दिल्ली 141 पर ऑलआउट – आरसीबी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। दिल्ली कैपिटल्स को पहला झटका पारी की पहली ही गेंद पर लगा, जब शैफाली वर्मा (0) रेणुका सिंह की गेंद पर स्मृति मंधाना को कैच दे बैठीं। इसके बाद जेमिमा रोड्रिग्स (34) और कप्तान मेग लैनिंग (17) ने 60 रन की साझेदारी कर पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन जॉर्जिया वेयरहम ने जेमिमा को स्टंप आउट कर दिल्ली को दूसरा झटका दिया।

दिल्ली की पारी 19.3 ओवर में 141 रन पर सिमट गई। रेणुका सिंह और जॉर्जिया वेयरहम ने दो–दो विकेट झटके, जबकि किम गर्थ और अन्य गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया।

स्मृति मंधाना की विस्फोटक पारी, आरसीबी की आसान जीत – 141 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी की सलामी जोड़ी ने दमदार शुरुआत की। कप्तान स्मृति मंधाना ने 47 गेंदों में 81 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली, जिसमें 10 चौके और 3 छक्के शामिल थे। डैनी व्याट (42) ने भी शानदार योगदान दिया। दोनों ने पहले विकेट के लिए 107 रनों की साझेदारी की। इस जीत के साथ आरसीबी दो मैचों में दो जीत के साथ अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंच गई, जबकि दिल्ली तीसरे स्थान पर खिसक गई।

न्यूज ब्रीफ

जोकोविच ने वापसी करते ही वर्डास्को के साथ हासिल की धमाकेदार जीत

दोहा। मांसपेशियों की चोट से उबरने के बाद नोवाक जोकोविच ने अपने पहले मुकाबलड्डे में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने स्पेन के फर्नांडो वर्डास्को के साथ जोड़ी बनाकर कतर ओपन के युगल वर्ग के पहले दौर में अलेक्जेंडर बुब्लिक और करेन खाचानोव को सीधे सेटों में 6–1, 6–1 से हराया। यह मुकाबला महज 48 मिनट तक चला, जिसमें 41 वर्षीय वर्डास्को और 37 वर्षीय जोकोविच की जोड़ी पूरी तरह हावी रही। वर्डास्को इस टूर्नामेंट के बाद संन्यास लेने वाले हैं, और यह जीत उनके करियर के अंतिम चरण में एक खास उपलब्धि रही। जोकोविच को पिछले महीने ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ खेलते हुए बाएं पैर की मांसपेशियों में चोट लग गई थी, जिसके कारण उन्हें मैच से रिटायर होना पड़ा था। अब पूरी तरह फिट होकर कोर्ट पर वापसी करने वाले जोकोविच और वर्डास्को का अगला मुकाबला दूसरी वरीयता प्राप्त ब्रिटिश–फिनिश जोड़ी हेनरी पैटन और हैरी हेलियोवारा से होगा।

भारतीय टीम इस बार आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी जीतेगी : क्लार्क

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा है कि भारतीय टीम इस बार आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी जीतेगी। क्लार्क ने कहा है कि भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा इंग्लैंड के खिलास एकदिवसीय सीरीज में शानदार शतक लगाने के साथ ही फार्म में आ गये हैं और वह इस सीरीज में सबसे अधिक रन बनाएंगे। भारतीय टीम को हालांकि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के टीम से बाहर होने के कारण ट्रॉफ का कमजोर दावेदार माना जा रहा है पर क्लार्क इससे सहमत नहीं हैं। क्लार्क का मानना है कि भारतीय टीम पाकिस्तान और दुबई में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के खिताब को जीतने में कामयाब होगी। इस पूर्व बल्लेबाज ने ये भी कहा है कि रोहित टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनेंगे। भारतीय टीम ने हाल ही में इंग्लैंड को वनडे सीरीज में 3–0 से हराया था जिससे वह आत्मविश्वास से भरी हुई नजर आ रही है। रोहित ने इस दौरान कटक में खेले गए मैच में 90 गेंद में 119 रन की आक्रामक पारी खेली थी। पिछले कुछ महीनों से खराब फॉर्म से गुजर रहे रोहित ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों में 122 रन बनाए। क्लार्क ने कहा कि रोहित को रन बनाते हुए देखकर अच्छा लगा और उम्मीद है कि वह चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम की ओर से अहम भूमिका निभाएंगे। माइकल क्लार्क ने कहा, मैं कहा है कि भारतीय टीम ट्रॉफी जीतेगी क्योंकि रोहित ने लय हासिल कर ली है। उसको पिछली सीरीज में रन बनाते हुए देखकर अच्छा लगा। मुझे लगता है कि निश्चित तौर पर भारत को उसकी जरूरत है। साथ ही कहा कि बुमराह के बाहर होने से अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा के अलावा वरुण चक्रवर्ती जैसे युवा गेंदबाजों के पास अपनी क्षमताएं दिखाने का अच्छा अवसर है।

सीएसके के खिलाफ पहले मैच में नहीं खेलेंगे पांड्या

मुम्बई। आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस का पहला मुकाबला 23 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा। मुम्बई के कप्तान हार्दिक पांड्या हालांकि इस मैच में नहीं खेल पायेंगे। इसका कारण उनपर पिछले सत्र में लगा एक मैच का निलंबन है। ऐसे में सूर्यकुमार यादव पहले मैच में मुम्बई की कप्तानी करते दिख सकते हैं। मुंबई इंडियंस का पिछले सत्र में प्रदर्शन काफी खराब रहा था। तब हार्दिक पांड्या पर लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ हुए अंतिम ग्रुप स्टेज मैच के बाद धीमी ओवर गति के लिए 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था और इसी कारण आईपीएल 2025 में फ्रेंचाइजी के पहले मैच से भी निलंबित कर दिए गए थे। सीजन में तीसरी बार मुम्बई ओवर गति से पीछे रहा, जिसके कारण उनके कप्तान पांड्या पर एक मैच का प्रतिबंध भी लगाया गया। यही वजह है कि वह इस बार पहले मैच में हार्दिक खेलते हुए नजर नहीं आएंगे। हालांकि उनकी जगह टीम की कमान किसे मिलेगी, इसके बारे में फ्रेंचाइजी ने अभी घोषणा नहीं की है पर माना जा रहा है कि सूर्यकुमार यादव हार्दिक की जगह टीम की कमान संभाल सकते हैं। सूर्यकुमार यादव भारतीय टी20 टीम के कप्तान भी हैं। सीसीआई ने रविवार आईपीएल के 18वें सीजन का शेड्यूल जारी किया। बीसीसीआई के अनुसार आईपीएल के इस सत्र में 13 स्थानों पर कुल 74 मैच खेले जायेंगे।

चेन्नई में 23वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप का हुआ भव्य आगाज

चेन्नई

चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में सोमवार को 23वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की भव्य शुरुआत हुई। तमिलनाडु सरकार के समर्थन से आयोजित इस ऐतिहासिक आयोजन का समापन 20 फरवरी को होगा। इस चैंपियनशिप में देशभर से 1,476 पैरा-एथलीटों ने भाग लिया है, जो 30 टीमों के तहत 155 स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इस इवेंट को देश की सबसे बड़ी पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में से एक माना जा रहा है।

प्रतियोगिता में देश के शीर्ष पैरा–एथलीटों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है, जिनमें टोक्यो पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता सुमित अंतिल (भाला फेंक स्न64), मरियप्पन थंगावेलु (ऊंची कूद ज्ञ63) और नवदीप सिंह (भाला फेंक स्न41) जैसे दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं।

यह आयोजन भारतीय पैरालंपिक समिति और तमिलनाडु पैरालंपिक स्पोर्ट्स एसोसिएशन के संयुक्त प्रयासों से हो रहा है। पीसीआई अध्यक्ष देवेन्द्र झाझरिया ने इस चैंपियनशिप को भारतीय पैरा एथलेटिक्स के लिए एक नया मील का पत्थर बताते हुए कहा,

चेन्नई में यह चैंपियनशिप पैरा खेलों के लिए नए मानक स्थापित करेगी। 155 स्पर्धाओं में 1,476 एथलीटों की प्रतिस्पर्धा यह दर्शाती है कि भारत में पैरा खेलों की लोकप्रियता और प्रतिस्पर्धात्मकता तेजी से बढ़ रही है। विश्व स्तरीय सुविधाओं और समावेशिता की प्रतिबद्धता के साथ, हम भारतीय पैरा एथलेटिक्स के एक नए युग की ओर बढ़ रहे हैं।

चैंपियनशिप के सफल आयोजन में तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री और खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आयोजकों को उम्मीद है कि यह इवेंट देश में पैरा स्पोर्ट्स को और मजबूत करेगा और भविष्य के अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए नए सितारों को तैयार करेगा।

बुमराह के नहीं होने से बांग्लादेश के पास जीत हासिल करने का अवसर : कायेस

दुबई। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज इमरूल कायेस को उम्मीद है कि इस बार भारतीय टीम में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के नहीं होने से उसका गेंदबाजी आक्रमण कमजोर हुआ है। कायेस का मानना है कि ऐसे में उनकी टीम के पास 20 फरवरी को होने वाले चैम्पियंस ट्रॉफी मैच में जीत हासिल करने का अच्छा मौका है। कायेस के अनुसार इस मैच में बांग्लादेशी बल्लेबजा भारतीय गेंदबाजी आक्रमण पर दबाव बना सकते हैं। कायेस ने कहा, 'भारतीय टीम काफी मजबूत है और उसके पास बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण और बल्लेबाजी क्रम है पर इस बार बुमराह टीम में नहीं है। हम सभी को पता है कि पिछले दो साल में उसने भारतीय क्रिकेट के लिये क्या किया है। उसकी गैर मौजूदगी से बांग्लादेश को लाभ मिलेगा। बुमराह की गैर मौजूदगी में मोहम्मद शमी के पास भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमान होगी जिसमें हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह भी शामिल हैं। कायेस ने कहा, 'शमी की वापसी बड़ी बात है पर वह इस समय फिटनेस समस्या से जूझ रहा है हालांकि लय हासिल करने पर वह बांग्लादेश के लिये खतरनाक साबित हो सकता है। बांग्लादेश टीम में इस बार अनुभवी हरफनमौला शाकिब अल हसन और विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास नहीं हैं। कायेस ने कहा, 'मुझे शाकिब की कमी खलेगी क्योंकि वह शानदार खिलाड़ी है। किसी भी मैच में उसका योगदान काफी रहता है।

डब्ल्यूपीएल में मुंबई इंडियंस पहली जीत के लिए उतरेगी

नई दिल्ली

मुम्बई इंडियंस यहां प्रीमियर लीग क्रिकेट (डब्ल्यूपीएल) में गुजरात जायंट्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। पहले मुकाबले में मिल हार के बाद उतर रही मुंबई की टीम इस मैच में जीत के लिए पूरी ताकत लगाना चाहेगी। वहीं गुजरात के लिये पहले दो मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने वाली एशले गार्डनर इस सिलसिले को बनाये रखना चाहेगी।

मुंबई इंडियंस का लक्ष्य जायंट्स के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन रहेगा। दिल्ली कैपिटल्स से आखिरी गेंद पर मिली हार के बाद भी नेट स्किवेर ब्रंट और कप्तान हरमनप्रीत कौर का प्रदर्शन अच्छा रहा है। इस मैच में सलामी बल्लेबाज यास्तिका भाटिया से भी टीम को बड़े स्कोर भी उम्मीद रहेगी।

अब तक के मैचों में कप्तान हरमनप्रीत कौर को मध्यक्रम में साथ नहीं मिल पाया जिससे मुंबई इंडियंस को हार का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा,'' जीत के लिए हमें पूरे ओवर खेलने के साथ ही पारी के अंत तक टिके रहना होगा। साथ ही कहा कि हमारे बल्लेबाजों को जिम्मेदारी के साथ खेलना होगा।''

दोनों टीमों का दल :

मुंबई इंडियंस: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), अक्षिता माहेश्वरी, अमनदीप कौर, अमनजोत कौर, अमेलिया केर, क्लो ट्रायॉन, हेले मैथ्यूज, जिन्तिमनी कलिता, कीर्तना बालाकृष्णन, नादिन डी क्लर्क, नताली साइवर–ब्रंट, परुनिका सिसौदिया, सजीवन सजना, संस्कृति गुप्ता, जी कमलिनी (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), सैका इशाक, शबनम इस्माइल।

गुजरात जायंट्स: एशले गार्डनर (कप्तान), भारती फुलमाली, लौरा वोल्वार्ड्ट, फोएबे लिचफील्ड, सिमरन शेख, डेनिएल गिब्सन, दयालन हेमलता, डींड्रा डॉटिन, हरलीन देयोल, सयाली सतघरे, तनुजा कंवर, बेथ मूनी (विकेटकीपर), काशवी गौतम, मन्नत कश्यप, मेघना सिंह, प्रकाशिका नाइक, प्रिया मिश्रा, शबनम शकील।

बिहार में अगले माह होगा सेपक टाकरा विश्वकप

बिहार पहली बार 'सेपक टाकरा विश्वकप की मेजबानी करने जा रहा है। ये विश्वकप अगले माह 20 से 25 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। इसमें 24 देशों की टीमें लेंगी। पटना के पाटलिपुत्र खेल परिसर में इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन होगाहै। इस आयोजन को लेकर सेपक टाकरा फेडरेशन ऑफ इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच एक करार भी हुआ है। हार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि सेपक टाकरा वर्ल्ड कप का आयोजन बिहार में पहली बार हो रहा है यह बिहार के लिए बहुत खुशी और गर्व की बात है और यह अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। बिहार को इस प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर देने के लिए सेपक टाकरा फेडरेशन ऑफ इंडिया का हम आभार जताते हैं। साथ ही इसके सफल आयोजन का भरोसा देते हैं।

ला लीगा : बार्सिलोना विवादास्पद जीत के साथ ला लीगा में शीर्ष पर लौटा

मैड्रिड

एफसी बार्सिलोना ने सोमवार रात को रेयो वैलेकैनो पर 1–0 की संकीर्ण और विवादास्पद जीत के साथ ला लीगा के शीर्ष स्थान पर वापसी की। बार्सा के लिए एकमात्र गोल रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने पेनल्टी के जरिए किया, लेकिन मैच में कई विवादास्पद फैसले देखने को मिले, जिनमें रेयो की पेनल्टी अपील की अनदेखी और एक संदिग्ध ऑफसाइड के चलते उनका गोल खारिज किया जाना शामिल था।

लेवांडोव्स्की ने पेनल्टी से दिलाई बढ़त

पहले हाफ में बार्सिलोना ने अधिक आक्रमण किए, जिसमें लेवांडोव्स्की और रफिन्हा के प्रयास गोल में तब्दील नहीं हो सके। हालांकि, 27वें मिनट में बार्सा को पेनल्टी मिली, जब रेयो के पाथे सिस को इनिगो मार्टिनेज को रोकने के लिए दोषी ठहराया गया। रेयो के गोलकीपर ऑगस्टो बटाला ने गेंद को पकड़ लिया था, लेकिन रेफरी मेलेरो लोपेज़ ने फाउल करार देते हुए पेनल्टी दी, जिसे लेवांडोव्स्की ने गोल में बदलकर बार्सा को बढ़त दिला दी।

रेयो की पेनल्टी अपील और ऑफसाइड विवाद

मैच में रेयो के खिलाड़ियों ने रेफरी के फैसलों पर नाराजगी जताई। पेनल्टी से पहले अब्दुल मुमिन पर हेक्टर फोर्ट के स्पष्ट शर्ट–पुल को नजरअंदाज कर दिया गया। वहीं, पहले हाफ के अंत में जॉर्ज डे फ्रुटोस का गोल ऑफसाइड करार देकर खारिज कर दिया गया, जबकि रिप्ले में दिखा कि रैंडी एनकेटा, जिन्हें ऑफसाइड बताया गया था, गोल में कोई भूमिका नहीं निभा रहे थे।

दूसरे हाफ में रोमांच और रेयो की कोशिशें नाकाम

दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। रेयो के लिए वोज्शिएक स्ज़ेसनी ने शानदार बचाव किए, जबकि बार्सा के दानी ओलमो का प्रयास भी गोलकीपर बटाला के शानदार बचाव के कारण नाकाम रहा। चोट समय में जॉर्ज डे फ्रुटोस के पास बराबरी का मौका था, लेकिन वह एड्रियन एम्बार्बा के क्रॉस को सही ढंग से हेडर में बदलने में नाकाम रहे। इस जीत के साथ बार्सिलोना गोल अंतर के आधार पर ला लीगा तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया, जबकि रेयो की नौ मैचों से चली आ रही अजेय लय टूट गई।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम के लिए तैयार की गयीं नई पिचें

दुबई

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम के दुबई पहुंचते ही पिचें बदल दी गयी हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि भारत को खराब पिचें नहीं मिलेंगी। भारतीय टीम अपने तीनो लीग मैच दुबई में ही खेलेगी। इसी को देते हुए भारत के लीग मैचों के लिए दो नई पिचें तैयार रखी गई हैं। भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी में अपना पहला मुकाबला 20 फरवरी को बांग्लादेश से खेलेगी। इसके बाद 23 फरवरी को उसका मुकाबला पाकिस्तान से होगा। वहीं 2 मार्च को उसे न्यूजीलैंड से ग्रुप स्तर का मुकाबला खेलना है। तीनों मुकाबले दुबई में होंगे। यहां पिछले एक महीने में पुरुष अंडर–19 एशिया कप और जनवरी–फरवरी में आईएलटी 20 लीग हुआ है। इसी को देखते हुए आशंका जाहिर की जा रही थी कि भारत को खराब पिचें मिलेंगी पर ऐसा नहीं है।

आईएलटी 20 0 के दौरान इस मैदान पर दो नॉकआउट खेलों सहित 15 मैच हुए। वहीं कहा जा रहा है कि स्टेडियम की दस पिचों में से दो को लीग के दौरान इस्तेमाल नहीं किया गया। ताकि वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उपलब्ध रहे। नई पिचें बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों के लिए मददगार साबित होंगी। दुबई की पिच ऐतिहासिक रूप से तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल रही है। तेज गेंदबाजों को यहां मूवमेंट और बाउंस मिलता रहा है।

पिता के निधन के कारण दक्षिण अफ्रीका लौटे भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच मॉर्कल

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच कोच मोर्ने मॉर्कल पिता के निधन के कारण दक्षिण अफ्रीका लौट गये हैं। इस प्रकार चैम्पियंस ट्रॉफी शुरु होने से पहले ही भारतीय टीम को एक झटका लग गया है। भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला 20 फरवरी को बांग्लादेश से खेलेगी। पिछले साल सितंबर में गौतम गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद ही मॉर्कल को गेंदबाजी कोच बनाया गया था। उनके आने के बाद भारतीय टीम की गेंदबाजी बेहतर हुई है। मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के टीम में नहीं होने से कोच के तौर पर उनकी भूमिका और भी अहम हो गयी है। वह टीम के पहले अभ्यास सत्र में भी शामिल हुए थे। भारतीय टीम जब अपने दूसरे अभ्यास सत्र में भाग ले रही थी तब तक वह स्वदेश वापस लौट गये थे। एक रिपोर्ट के अनुसार पिता के निधन की खबर मिलते ही वह अपने घर दक्षिण अफ्रीका रवाना हो गए, वह कब वापस आयेंगे कहा नहीं जा सकता। ऐसे में भारतीय टीम के साथ चैंपियंस ट्रॉफी में गेंदबाजी कोच रहेगा या नहीं ये अभी पता नहीं चला है।

ज्यादा पेन किलर के सेवन से लिवर-किडनी को हो सकता है नुकसान

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों को अक्सर शारीरिक दर्द, सिरदर्द, जोड़ों का दर्द या मांसपेशियों में खिंचाव जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में जल्दी आराम पाने के लिए लोग बिना डॉक्टर की सलाह के पेन किलर दवाएं ले लेते हैं। हालांकि, यह आदत सेहत के लिए काफी खतरनाक साबित हो सकती है। पेन किलर दवाएं, जिन्हें दर्दनिवारक दवाएं भी कहा जाता है, का इस्तेमाल बिना डॉक्टर की सलाह के करने से कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। आइए जानते हैं कि बिना डॉक्टर की सलाह के पेन किलर लेने के क्या नुकसान हो सकते हैं। पेन किलर दवाएं अगर ज्यादा मात्रा में ली जाएं, तो लिवर और किडनी को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती हैं। लिवर शरीर से टॉक्सिक पदार्थों को बाहर निकालने का काम करता है, लेकिन ज्यादा मात्रा में पेन किलर लेने से लिवर पर एक्स्ट्रा दबाव पड़ता है, जिससे लिवर डैमेज हो सकता है। इसी तरह, किडनी भी शरीर से हानिकारक पदार्थों को फिल्टर करने का काम करती है, लेकिन ज्यादा पेन किलर से किडनी फेलियर तक की स्थिति पैदा हो सकती है। बिना डॉक्टर की सलाह के पेन किलर लेने से पेट संबंधी कई समस्याएं हो सकती हैं। इसकी वजह से पेट में अल्सर, गैस्ट्रिक और एसिडिटी की समस्या हो सकती है। कुछ पेन किलर दवाएं पेट की लाइनिंग को नुकसान पहुंचाती हैं, जिससे इंटरनल ब्लीडिंग भी हो सकती है। यह समस्या गंभीर हो सकती है और अस्पताल में इलाज की जरूरत पड़ सकती है। बिना डॉक्टर की सलाह के बार-बार पेन किलर लेने से शरीर में इन दवाओं के लिए रेजिस्टेंस बढ़ जाती है। इसका मतलब है कि समय के साथ दवाओं का असर कम होने लगता है और दर्द से राहत पाने के लिए ज्यादा मात्रा में दवा लेने की जरूरत पड़ती है। यह कंडिशन दवाओं की लत का कारण भी बन सकती है। कुछ पेन किलर दवाएं, जैसे कि एनएसएआईडीएस (नॉन-स्टेरॉइडल एंटी-इंफ्लेमेटरी ड्रग्स), दिल से जुड़ी समस्याओं के जोखिम को बढ़ा सकती हैं। ज्यादा दवाएं लेने से हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है। खासकर उन लोगों को जिन्हें पहले से ही दिल से जुड़ी समस्याएं हैं, उन्हें इन दवाओं को बिना डॉक्टर की सलाह के नहीं लेना चाहिए। हर व्यक्ति का शरीर अलग-अलग तरह से दवाओं पर रिएक्ट करता है। बिना डॉक्टर की सलाह के पेन किलर लेने से कुछ लोगों को एलर्जी, त्वचा पर रैशेज, सांस लेने में तकलीफ या अन्य गंभीर साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। कुछ मामलों में यह स्थिति जानलेवा भी हो सकती है। कुछ पेन किलर दवाएं, जैसे कि ओपिओइड्स, मेंटल हेल्थ पर नेगेटिव प्रभाव डाल सकती हैं। इन दवाओं को ज्यादा लेने से चिंता, डिप्रेशन और नींद संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। साथ ही, इन दवाओं की लत लगने का खतरा भी बढ़ जाता है। गर्भवती महिलाओं को बिना डॉक्टर की सलाह के पेन किलर दवाएं लेने से बचना चाहिए। कुछ दवाएं बच्चे के विकास पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं और जन्मजात विकृतियों का कारण बन सकती हैं।

भारत में सोलो ट्रिप के लिए सबसे आकर्षक जगहें, एक बार जरुर जाएं

सोलो ट्रिप रोमांचक, सशक्त और जीवन बदलने वाली हो सकती हैं। अगर आप भी सोलो यात्रा करने का प्लान बना रही हैं, तो आप इन जगहों पर जरुर जाएं, यहां पर आपको विविध संस्कृतियों और लोगों की खोज कर सकता है और स्वयं से जुड़ सकता है। आजकल महिलाएं तेजी से सोलो ट्रिप का विकल्प चुन रही हैं क्योंकि दूर देशों की ये यात्राएं तनाव से राहत दिला सकती हैं और मानसिक शांति प्राप्त करने में सहायक होती हैं। ये सोलो ट्रिप को अपनी इच्छाओं को खुलकर स्वीकार करने में मदद कर सकती हैं। अगर आप भी कहीं घूमने का प्लान बना रही हैं, तो इन जगहों पर जरुर जाएं।

ऋषिकेश : सोलो ट्रिप के लिए ऋषिकेश सबसे बढ़िया जगहों में से एक है। यहां पर आप एडवेंचर एक्टिविटीज कर सकते हैं। बंजी जंपिंग, रिवर राफ्टिंग, बोट राइडिंग और ट्रेकिंग कर सकते हैं। इतना ही नहीं, यहा पर आप गंगा आरती लाइव देख सकते हैं। ऋषिकेश में कई फेमस जगहें जहां आप जा सकते हैं जैसे कि परमार्थ निकेतन, त्रिवेणी घाट और नीलकंठ मंदिर देखने जा सकते हैं।

पांडिचेरी : पांडिचेरी अपनी फ्रांसीसी औपनिवेशिक वास्तुकला, प्राचीन समुद्र तटों और जीवंत कैफे संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। महिलाओं के लिए यह सुरक्षित ठिकाना साइकिल यात्रा से लेकर समुद्र तट पर आरामदायक सैर तक सुखद अनुभव प्रदान करता है। ऑरोविले आश्रम आध्यात्मिक रूप से समृद्ध अनुभव प्रदान करता है।

उदयपुर : इतिहास लवर और महलों के प्रशंसकों को उदयपुर में आराम मिलेगा। सिटी पैलेस, पिछोला झील और जग मंदिर जैसे वास्तुशिल्प देखकर आपको काफी मजा आएगा। उदयपुर सुरक्षित वातावरण महिलाओं को स्थानीय संस्कृति में डूबने और पारंपरिक राजस्थानी व्यंजनों का स्वाद लेने के लिए सबसे बढ़िया है।

शिलांग : उत्तर पूर्व भारत की मनमोहक सुंदरता को देखने के लिए शिलांग बहुत ही प्यारी जगहों में से एक है। हरे-भरे पहाड़, शांत झीलें और गिरते झरने आत्मा को तरोताजा कर देते हैं। स्थानीय खासी संस्कृति और संगीत आकर्षण को बढ़ाते हैं।

Government of Assam
Finance Department

ASSAM BUDGET 2025-2026

"Artwork for your Budget Cover"

Assam Budget for Financial Year 2025- 2026

1 Green Budget — Aligning public budgets with environmental and climate goals.

2 Gender Budget — Fiscal policy and administration to promote gender equality.

3 Child Budget — Substantially for the benefit of children.

4 Divyang Budget — Stepping up to improve lives of people with disabilities.

5 Outcome Budget — Linking a government's spending to the results it achieves.

For more information Scan the above QR code

Last date for submission 26 February, 2025

Resolution- 300 dpi | Canvas Size- 8x11 inches
No Age Limit

Send your artwork to-
inclusivebudgetassam@gmail.com

https://finance.assam.gov.in @assamfindept

-- Janasanyog /ID/12763/24/19-Feb-25

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**